अध्याय - 2

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के वित्त

अध्याय-2

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के वित्त

यह अध्याय वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (रा.रा.क्षे.) दिल्ली सरकार के वित्त का व्यापक परिदृष्य प्रस्तुत करता है तथा पिछले पाँच वर्षों के दौरान संपूर्ण प्रवृत्तियों को ध्यान में रखते हुए पिछले वर्ष की तुलना में प्रमुख राजकोषीय संचयनों में होने वाले परिवर्तनों का विश्लेषण करता है।

2.1 2018-19 की तुलना में वि.व. 2019-20 में प्रमुख राजकोषीय संचयनों में मुख्य बदलाव

इस भाग में पिछले वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष के दौरान रा.रा.क्षे. दिल्ली के प्रमुख राजकोषीय संचयन में प्रमुख बदलावों को सरसरी तौर पर दिया गया है। इन सभी संकेतकों का आगामी पैराग्राफों में विश्लेषण किया गया है। वि.व. 2018-19 की तुलना में वि.व. 2019-20 में प्रमुख राजकोषीय संचयनों में मुख्य बदलावों को **तालिका 2.1** में दिया गया है।

तालिका 2.1: वि.व. 2018-19 की तुलना में वि.व. 2019-20 में रा.रा.क्षे.दि.स. के प्रमुख राजकोषीय संचयनों में बदलाव

राजस्व प्राप्तियाँ	✓ राजस्व प्राप्तियाँ 9.33 *प्रतिशत* तक बढ़ गई। ✓ स्वयं की कर प्राप्तियाँ 0.16 *प्रतिशत* तक घट गई। ✓ गैर-कर प्राप्तियाँ 70.34 *प्रतिशत* तक बढ़ गई। ✓ भारत सरकार से सहायता अनुदान 62.10 *प्रतिशत* तक बढ़ गया।
राजस्व व्यय	✓ राजस्व व्यय 7.56 *प्रतिशत* तक बढ़ गया। ✓ सामान्य सेवाओं पर राजस्व व्यय 6.86 *प्रतिशत* तक घट गया। ✓ सामाजिक सेवाओं पर राजस्व व्यय 2.22 *प्रतिशत* तक बढ़ गया। ✓ आर्थिक सेवाओं पर राजस्व व्यय 25.12 *प्रतिशत* तक बढ़ गया। ✓ सहायता अनुदान पर व्यय 64.02 *प्रतिशत* तक बढ़ गया।
पूँजीगत व्यय	✓ पूँजीगत व्यय 67.54 *प्रतिशत* तक बढ़ गया। ✓ सामान्य सेवाओं पर पूँजीगत व्यय 116.11 *प्रतिशत* तक बढ़ गया। ✓ सामाजिक सेवाओं पर पूँजीगत व्यय 103.53 *प्रतिशत* तक बढ़ गया। ✓ आर्थिक सेवाओं पर पूँजीगत व्यय 13.52 *प्रतिशत* तक बढ़ गया।
ऋण तथा अग्रिम	✓ ऋण तथा अग्रिमों का संवितरण 35.97 *प्रतिशत* तक बढ़ गया। ✓ ऋण तथा अग्रिमों की वसूलियां 49.94 *प्रतिशत* तक घट गई।
लोक ऋण	✓ लोक ऋण प्राप्तियाँ 65.45 *प्रतिशत* तक बढ़ गई। ✓ लोक ऋण का पुनर्भुगतान 22.69 *प्रतिशत* तक घट गया।

2.2 निधियों के स्रोत तथा उपयोग

यह भाग पिछले वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष के दौरान रा.रा.क्षे. दिल्ली के निधियों के स्रोतों तथा उपयोग के संघटकों की तुलना करता है। 2018-19

तथा 2019-20 के दौरान निधियों के स्रोतों तथा उपयोग के विवरणों को **तालिका 2.2, चार्ट 2.1 तथा चार्ट 2.2** में दर्शाया गया है।

तालिका 2.2: 2018-19 तथा 2019-20 के दौरान निधियों के स्रोतों तथा उपयोग के विवरण

(₹ करोड़ में)

	विवरण	2018-19	2019-20	वृद्धि/कमी (*प्रतिशत* में)
स्रोत	आरंभिक शेष	2,982	4,463	49.66
	राजस्व प्राप्तियाँ	43,113	47,136	9.33
	ऋण तथा अग्रिमों की वसूलियां	1,644	823	(-)49.94
	लोक ऋण प्राप्तियाँ (निवल)	(-) 756	1,954	358.47
	कुल	**46,983**	**54,376**	**15.73**
उपयोग	राजस्व व्यय	36,852	39,637	7.56
	पूँजीगत व्यय	3,266	5,472	67.54
	ऋण तथा अग्रिमों का संवितरण	2,402	3,266	35.97
	अंतिम शेष	4,463	6,001	34.46
	कुल	**46,983**	**54,376**	**15.73**

स्रोत: संबंधित वर्षों के वित्त लेखे

चार्ट 2.1: संसाधनों की संरचना (*प्रतिशत* में)

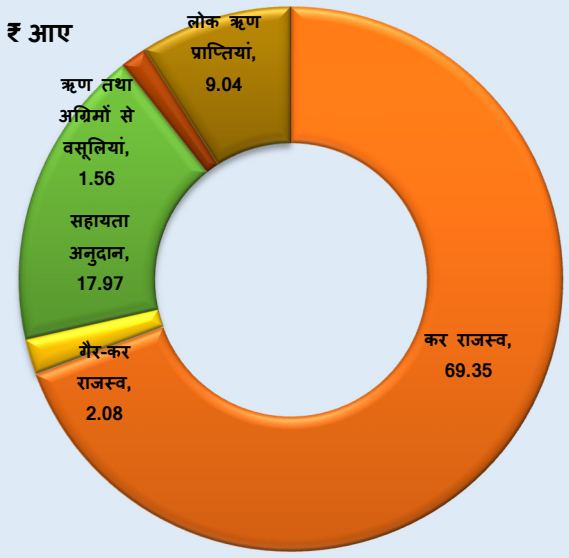

चार्ट 2.2: संसाधनों के उपयोग (*प्रतिशत* में)

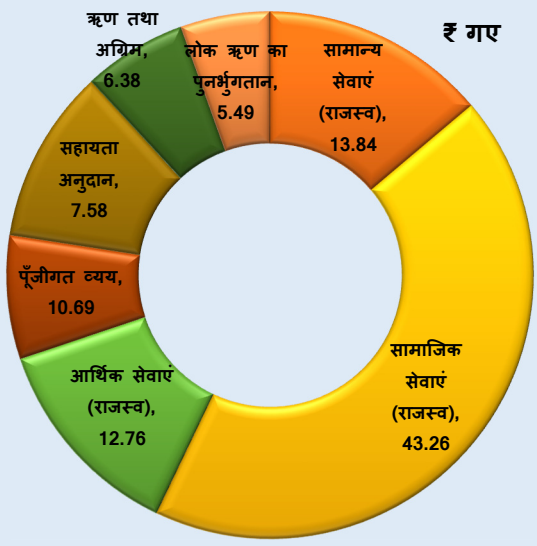

2.3 रा.रा.क्षे. दिल्ली के संसाधन

रा.रा.क्षे. दिल्ली के संसाधनों को नीचे वर्णित किया गया है:

1. **राजस्व प्राप्तियों** में कर राजस्व, गैर-कर राजस्व और भारत सरकार (भा.स.) से सहायता अनुदान निहित होती है।

2. **पूँजीगत प्राप्तियों** में रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के ऋण तथा अग्रिम की वसूलियां, भा.स. से ऋण द्वारा प्राप्तियाँ तथा विभिन्न पूँजीगत प्राप्तियाँ शामिल होती है।

राजस्व तथा पूँजीगत प्राप्तियाँ दोनों ही रा.रा.क्षे. दिल्ली के समेकित निधियों का अंश होती है।

2.3.1 रा.रा.क्षे. दिल्ली की प्राप्तियाँ

समग्र प्राप्तियों की संरचना को **चार्ट 2.3** में नीचे दिया गया है।

चार्ट 2.3: 2019-20 के दौरान रा.रा.क्षे. दिल्ली की प्राप्तियों की संरचना

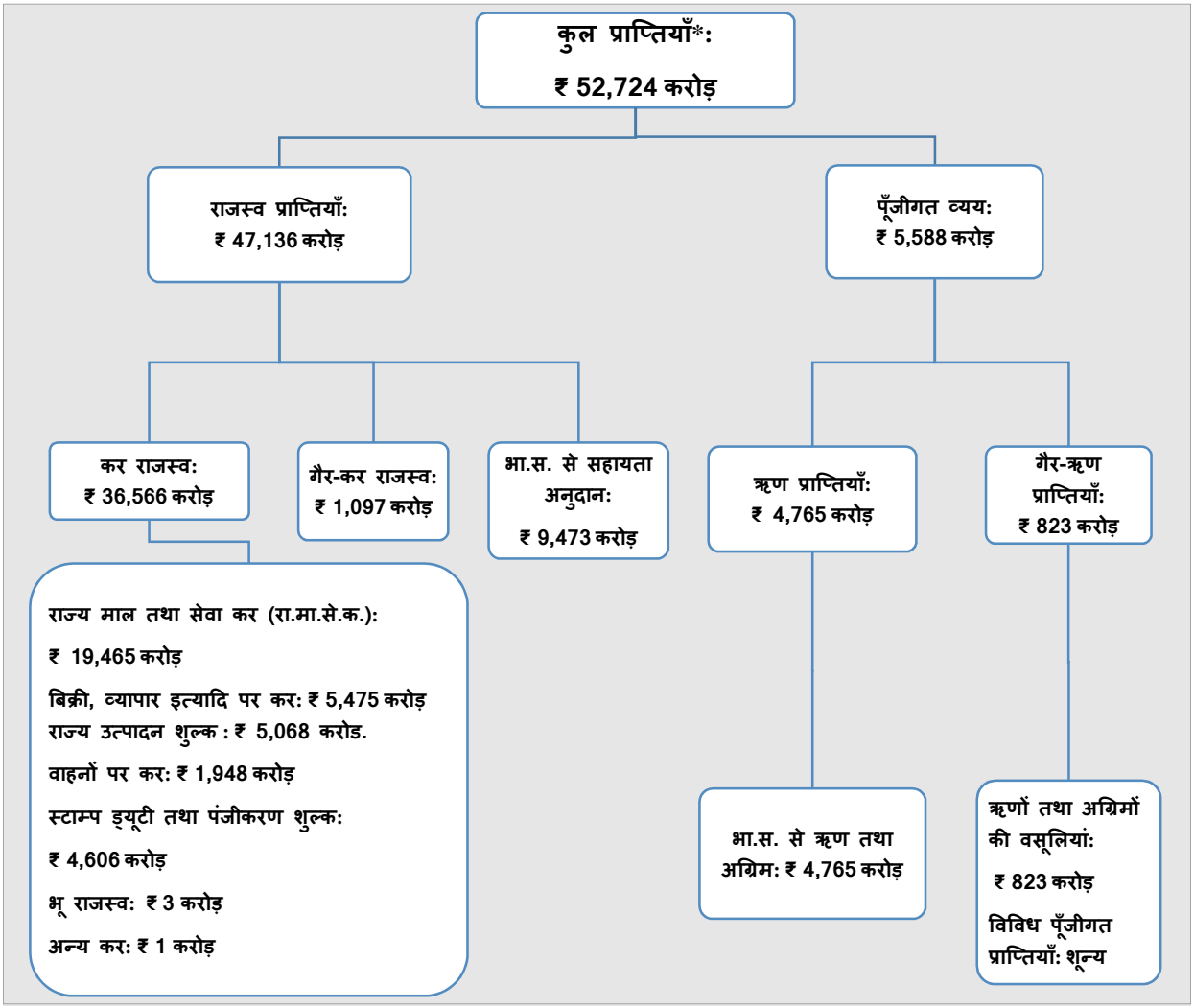

*आरंभिक शेष तथा आकस्मिक निधियों को छोड़कर

2.3.2 रा.रा.क्षे. दिल्ली की राजस्व प्राप्तियाँ

राजस्व प्राप्तियों में रा.रा.क्षे. दिल्ली के कर, गैर-कर राजस्व तथा भारत सरकार से सहायता अनुदान निहित होती हैं।

2.3.2.1 राजस्व प्राप्तियों की प्रवृत्तियां तथा वृद्धि

राजस्व प्राप्तियों, स.रा.घ.उ. के सापेक्ष में राजस्व प्राप्तियाँ एवं उत्पलावकता अनुपात की वृद्धि में प्रवृत्तियां तथा राजस्व प्राप्तियों की संरचना तालिका **2.3** एवं **चार्ट 2.4** में दी गई है।

तालिका 2.3: राजस्व प्राप्तियों में प्रवृत्तियां

(₹ करोड़ में)

मापदंड	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
राजस्व प्राप्तियाँ (रा.प्रा.) (₹ करोड़ में)	34,999	34,346	38,667	43,113	47,136
रा.प्रा. की वृद्धि की दर (*प्रतिशत*)	18.30	-1.87	12.58	11.50	9.33
स्वयं का कर राजस्व	30,226	31,140	35,717	36,625	36,566
गैर-कर राजस्व	515	381	766	644	1,097
स्वयं के राजस्व की वृद्धि दर (स्वयं का कर तथा गैर-कर राजस्व) (*प्रतिशत*)	12.86	2.54	15.74	2.15	1.06
भा.स. से सहायता अनुदान	4,258	2,825	2,184	5,844	9,473
सकल राज्य घरेलू उत्पाद (₹करोड़में) (2011-12 क्रम)	5,50,804	6,16,085	6,86,824	7,74,870	8,56,112
स.रा.घ.उ. की वृद्धि की दर (*प्रतिशत*)	11.32	11.85	11.48	12.82	10.48
रा.प्रा./सं.रा.घ.उ. (*प्रतिशत*)	6.35	5.57	5.63	5.56	5.51
उत्पलावकता अनुपात[1]					
स.रा.घ.उ. के संदर्भ में राजस्व उत्पलावकता सहित	1.62	-0.16	1.10	0.90	0.89
स.रा.घ.उ. के संदर्भ में रा.रा.क्षे. दिल्ली की स्वयं के राजस्व उत्पलावकता	1.14	0.21	1.37	0.17	0.10

स्रोत: आर्थिक तथा सांख्यिकी निदेशालय तथा संबंधित वर्षों के वित्त लेखे

राजस्व प्राप्तियाँ 9.97 *प्रतिशत* वार्षिक औसत वृद्धि दर से 2015-16 में ₹ 34,999 करोड़ से 34.67 *प्रतिशत* बढकर 2019-20 में ₹ 47,136 करोड़ हो गई, जिसमें से रा.रा.क्षे दिल्ली के स्वयं कर राजस्व तथा सहायता अनुदान में उक्त अवधि के दौरान क्रमश: ₹ 6,340 करोड़ (20.98 *प्रतिशत*) तथा ₹ 5,215 करोड़ (122.48 *प्रतिशत*) की वृद्धि हुई।

2019-20 के दौरान, राजस्व प्राप्तियाँ पिछले वर्ष की तुलना में 9.33 *प्रतिशत* तक बढ़ गई, जो विशेष रूप से जी.एस.टी. के कार्यान्वयन से उत्थित राजस्व की कमी के बदले में पिछले वर्ष की तुलना में ₹ 3,254 करोड़ (77.80 *प्रतिशत*) तक मुआवजे की प्राप्ति एवं ₹ 3,629 करोड़ (62.10 *प्रतिशत*) के सहायता अनुदान की वृद्धि के कारण हुआ था।

[1] उत्पलावकता अनुपात मूल विभिन्नताओं में दिए गए बदलाव के संदर्भ में राजकोषीय विभिन्नताओं की जवाबदेही की शिथिलता तथा मात्रा को दर्शाती है। उदाहरणार्थ, 1.85 पर स.रा.घ.उ. के संदर्भ में राजस्व उत्पलावकता का तात्पर्य है कि राजस्व प्राप्तियाँ प्रवृत्ति 1.85 प्रतिशत प्वांइटस तक बढ़ जाती, यदि स.रा.घ.उ. एक *प्रतिशत* तक बढ़ती।

कुल राजस्व प्राप्तियों में रा.रा.क्षे. दिल्ली के स्वयं कर राजस्व का अंश 2015-16 में 86.36 *प्रतिशत* से घटकर 2019-20 में 77.58 *प्रतिशत* तक हो गया। 2015-16 के दौरान रा.रा.क्षे.दि.स. के अपने संसाधनों से राजस्व प्राप्तियाँ लगभग 87.83 *प्रतिशत* तक थी जबकि सहायता अनुदान अंशदान 12.17 *प्रतिशत* था। वर्ष 2019-20 में, रा.रा.क्षे.दि.स. के अपने संसाधनों से राजस्व प्राप्तियाँ लगभग 79.90 *प्रतिशत* तक थीं जबकि सहायता अनुदान अंशदान 20.10 *प्रतिशत* था।

चार्ट 2.4: 2015-2020 के दौरान स.रा.घ.उ. से संबंधित राजस्व प्राप्तियों में प्रवृत्तियां

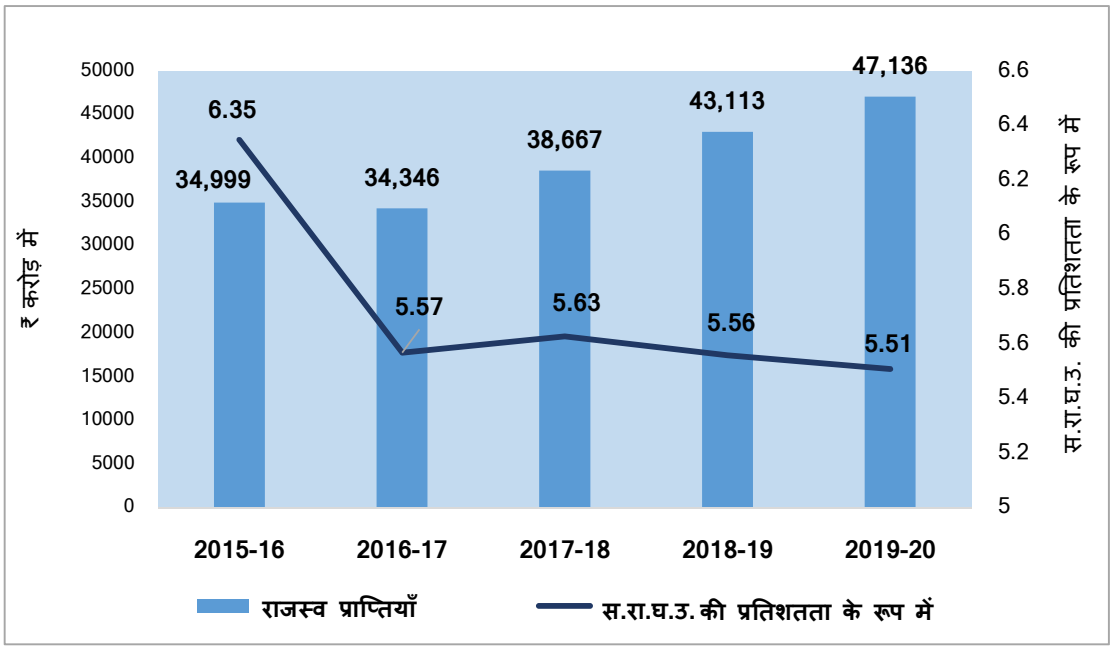

रा.रा.क्षे. दिल्ली का स.रा.घ.उ. 2015-16 में ₹ 5,50,804 करोड़ से बढ़कर 2019-20 में ₹ 8,56,112 करोड़ (55.43 *प्रतिशत*) हो गया। 2018-19 की तुलना में, स.रा.घ.उ. (₹ 7,74,870 करोड़) में वृद्धि होकर 2019-20 में ₹ 8,56,112 करोड़ (10.48 *प्रतिशत*) हो गई। स.रा.घ.उ. की प्रतिशतता के रूप में राजस्व प्राप्तियाँ 2015-16 में 6.35 *प्रतिशत* से घटकर 2019-20 में 5.51 *प्रतिशत* हो गई। वर्ष 2017-18 को छोड़कर स.रा.घ.उ. की प्रतिशतता के रूप में राजस्व प्राप्तियाँ लगातार वर्ष-वार आधार पर गिरावट को दर्शा रही थी।

स.रा.घ.उ. के संदर्भ में राजस्व उत्पलावकता 2019-20 में 0.89 पर थी जिसका तात्पर्य है कि राजस्व प्राप्तियाँ 0.89 *प्रतिशत* बिन्दुओं तक बढ़ गई, यदि स.रा.घ.उ. एक *प्रतिशत* तक बढ़ गई। 2019-20 में रा.रा.क्षे. दिल्ली की

स.रा.घ.उ. के संदर्भ में स्वयं की राजस्व उत्पलावकता 0.10 थी, इसका तात्पर्य है कि रा.रा.क्षे. दिल्ली की स्वयं की राजस्व प्राप्तियाँ 0.1 *प्रतिशत* बिंदु तक बढ़ गई, यद्यपि स.रा.घ.उ. एक *प्रतिशत* तक बढ़ गई थी। इसका तात्पर्य यह है कि रा.रा.क्षे. दिल्ली के स्वयं के राजस्व में वृद्धि पिछले वर्ष की तुलना में 2019-20 के दौरान स्थिर रही।

राजस्व प्राप्तियों के संघटकों की प्रवृत्तियों को **चार्ट 2.5** में दर्शाया गया है।

चार्ट 2.5 : राज्य की राजस्व प्राप्ति में संघटकों की प्रवृत्तियां

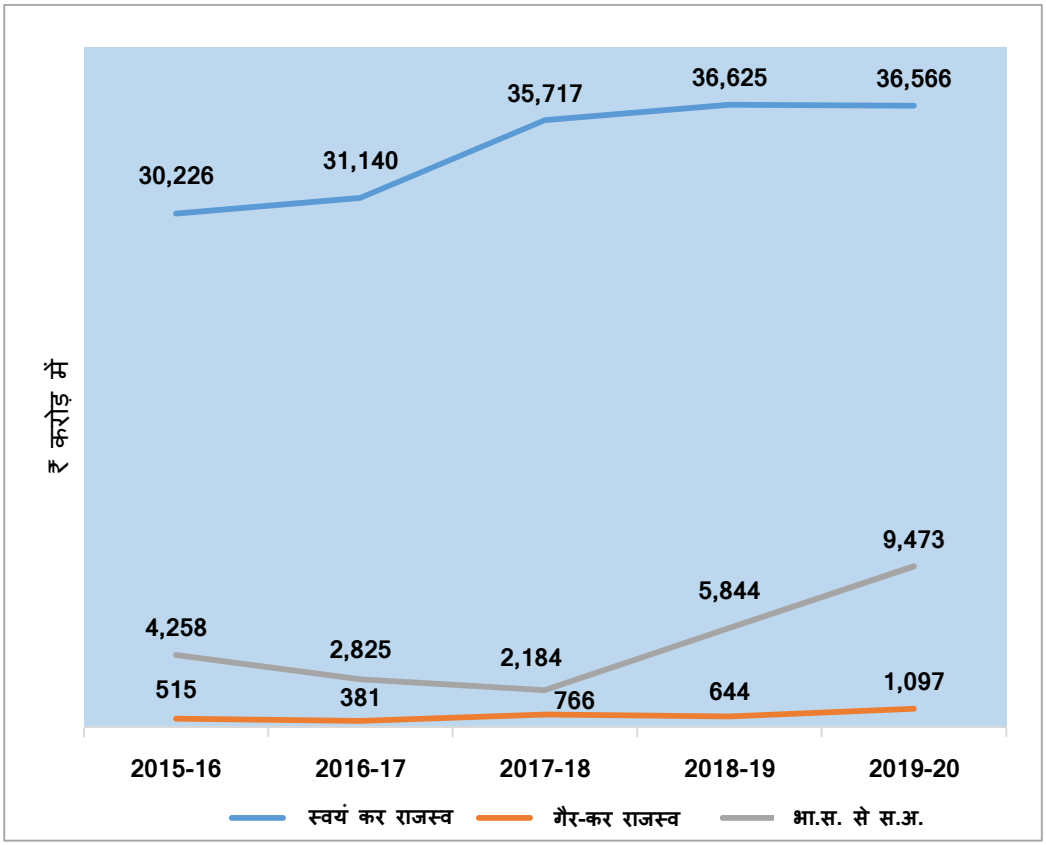

स्वयं कर राजस्व 2015-16 से 2018-19 तक बढ़ी हुई प्रवृत्तियों को दर्शा रहा था परंतु 2019-20 में अंशत: घट गया। हालांकि, भा.स. से स.अ. 2015-16 से 2017-18 तक घटी हुई प्रवृत्ति को दर्शा रहा था परंतु 2017-18 से 2019-20 तक लगातार वृद्धि हो रही थी। पिछले पाँच वर्ष की तुलना में गैर-कर राजस्व मिश्रित प्रवृत्तियों को दर्शा रहा था।

2.3.2.2 रा.रा.क्षे. दिल्ली के स्वयं के संसाधन

संसाधनों के संग्रह में रा.रा.क्षे. दिल्ली का निष्पादन उसके अपने संसाधनों के मूल्यांकन, जिसमें स्वयं कर एवं गैर-कर शामिल है, से होता है।

स्वयं कर राजस्व

रा.रा.क्षे. दिल्ली के स्वयं कर राजस्व में राज्य जी.एस.टी., राज्य उत्पाद शुल्क, वाहनों पर कर, स्टाम्प डयूटी तथा पंजीकरण शुल्क, भू-राजस्व इत्यादि सम्मिलित होते हैं। 2015-16 से 2019-20 तक की अवधि के दौरान रा.रा.क्षे दिल्ली के स्वयं कर राजस्व के संघटकों की प्रवृत्ति को **तालिका 2.4 तथा चार्ट 2.6** में दिखाया गया है।

चार्ट 2.6: 2015-16 से 2019-20 के दौरान स्वयं कर राजस्व की वृद्धि

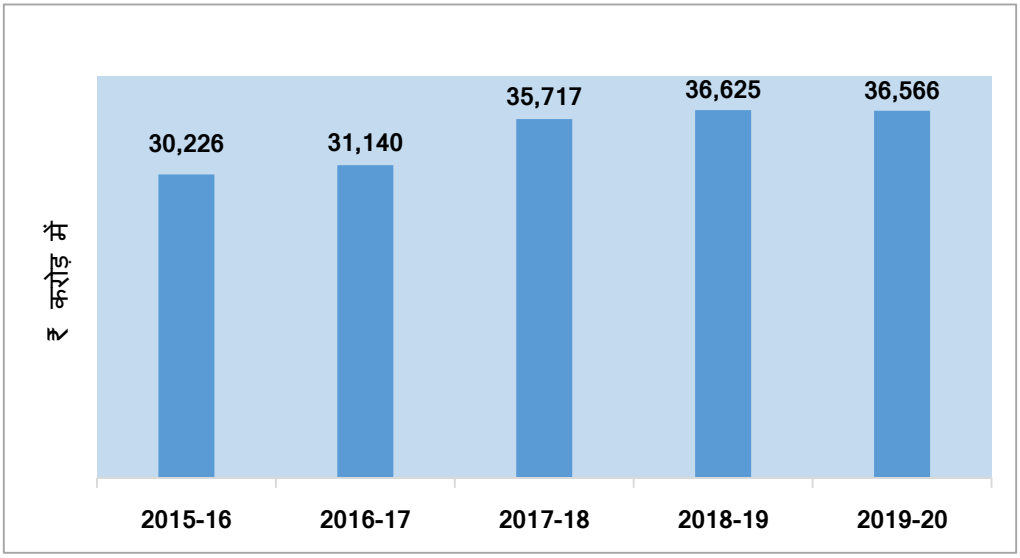

तालिका 2.4: रा.रा.क्षे दिल्ली के स्वयं कर राजस्व के संघटक

(₹ करोड़ में)

राजस्व शीर्ष	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
राज्य वस्तु तथा सेवा कर (रा.व.से.क.)	-	-	13,621	19,187	19,465
बिक्री, व्यापार इत्यादि पर कर	20,246	21,144	11,149	5,886	5,475
राज्य उत्पाद शुल्क	4,238	4,251	4,453	5,028	5,068
वाहनों पर कर	1,607	1,809	2,116	2,055	1,948
स्टाम्प ड्यूटी तथा पंजीकरण शुल्क	3,433	3,144	4,117	4,459	4,606
भू राजस्व	1	2	2	0	3
अन्य कर[2]	701	790	259	10	1
कर राजस्व	**30,226**	**31,140**	**35,717**	**36,625**	**36,566**

स्रोत: संबंधित वर्षों के वित्त लेखे

वस्तु तथा सेवा कर (व.से.क.)

जी.एस.टी (राज्यों को मुआवजा) अधिनियम 2017, के अनुसार पाँच साल की अवधि के लिए आधार वर्ष (2015-16) से 14 *प्रतिशत* की वार्षिक वृद्धि को

[2] मनोरंजन कर, बैटिंग कर, विलासिता कर तथा केबल कर को शामिल करते हुए अन्य कर

ध्यान में रखते हुए वस्तु तथा सेवा कर के कार्यान्वयन के कारण उत्थित राजस्व में हुई कमी के लिए राज्यों को मुआवजा दिया जायेगा। केन्द्र वस्तु तथा सेवाओं की अन्तर्राज्यीय आपूर्ति पर एकीकृत अन्तर्राज्यीय जी.एस.टी. उद्गृहीत करता है तथा राज्यों को कर के अंश बांटता है जहां वस्तुएं अथवा सेवाओं का उपभोग किया जाता है। एस.जी.एस.टी. संग्रहण में प्रवृत्तियों को **तालिका 2.5 तथा चार्ट 2.7** में दर्शाया गया है।

तालिका 2.5: प्राप्त किया गया राज्य एस.जी.एस.टी. तथा मुआवजा

(₹ करोड़ में)

महीना	प्रक्षेपित किया जाने वाला राजस्व	संग्रहित किया गया पूर्व जी.एस.टी. कर	संग्रहित किया गया एस.जी.एस.टी.	आई.जी.एस.टी. का अंतिम विभाजन तदर्थ आई.जी.एस.टी. निधि से निपटान	अन्य कर[3]	प्राप्त की गई कुल राशि	प्राप्त किया गया मुआवजा
अप्रैल 2019	2,362.25	39.96	1,118.08	913.13	1.82	2,072.99	1,043
मई 2019	2,362.25	36.56	934.94	276.47	1.83	1,249.80	
जून 2019	2,362.25	31.39	895.89	529.72	2.17	1,459.17	1,525
जुलाई 2019	2,362.25	(-)21.19	891.95	1,048.99	1.28	1,921.03	
अगस्त 2019	2,362.25	55.43	897.84	586.65	0.73	1,540.65	2,324
सितम्बर 2019	2,362.25	7.45	885.23	113.62	0.69	1,006.99	
अक्तूबर 2019	2,362.25	27.16	911.72	630.40	1.40	1,570.68	1,372
नवम्बर 2019	2,362.25	60.19	1,112.55	635.65	1.51	1,809.90	
दिसम्बर 2019	2,362.25	25.34	995.57	730.24	0.21	1,751.36	1,419.68
जनवरी 2020	2,362.25	59.72	1,089.88	1,046.66	0.10	2,196.36	
फरवरी 2020	2,362.25	89.39	966.05	655.75	1.22	1,712.41	
मार्च 2020	2,362.25	34.23	868.47	729.49	1.23	1,633.42	740.32
कुल	**28,347**	**445.63**	**11,568.17**	**7,896.77**	**14.19**	**19,924.76**	**8,424•**

• वित्त लेखों के अनुसार वि.व. 2019-20 के दौरान प्राप्त किए गए ₹ 7,436 करोड़ जिसमें फरवरी/मार्च 2019 (वि.व. 2018-19) के लिए मई 2019 के महीने में प्राप्त हुए ₹ 1,172 करोड़ शामिल है तथा वि.व. 2019-20 के लिए वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान ₹ 2,160 करोड़ प्राप्त हुए (₹ 7,436 करोड़ - ₹ 1,172 करोड़ + ₹ 2,160 करोड़= ₹ 8,424 करोड़)

वर्ष 2019-20 के लिए प्रक्षेपित राजस्व 14 *प्रतिशत* की वार्षिक वृद्धि के अनुसार ₹ 28,347 करोड़ था। इसके विपरीत वर्ष 2019-20 के दौरान जी.एस.टी. के अंतर्गत रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार की राजस्व प्राप्तियाँ ₹ 19,924.76 करोड़ थी तथा प्राप्त किया गया मुआवजा ₹ 8,424 करोड था जैसा कि **तालिका 2.5** में विस्तृत किया गया है। इस प्रकार, कुल मिलाकर 31 मार्च 2020 तक मुआवजे की प्राप्ति में कमी नहीं थी।

[3] अन्य कर में मनोरंजन कर, विलासिता कर, केबल कर इत्यादि शामिल है।

चार्ट 2.7 एस.जी.एस.टी. संग्रहण में प्रवृतियां

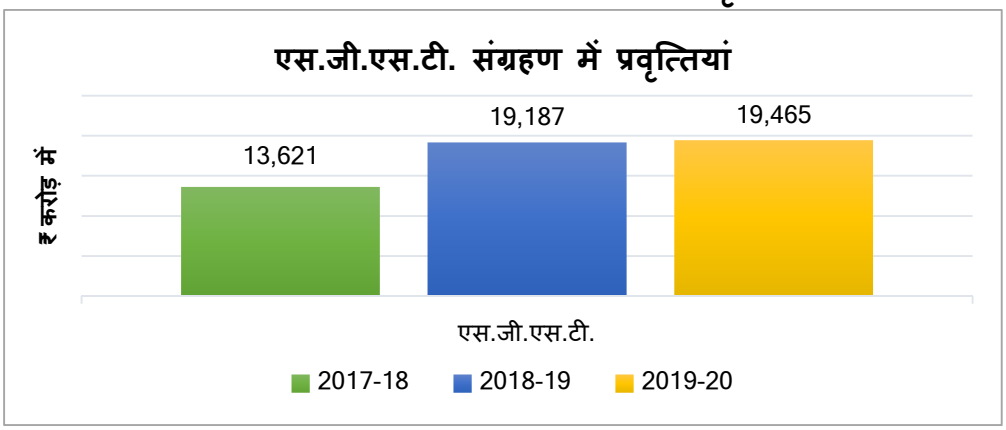

एस.जी.एस.टी. संग्रहण 2018-19 में ₹ 19,187 करोड़ से ₹ 278 करोड़ बढ़ कर 2019-20 में ₹ 19,465 करोड़ हो गया। वस्तु एवं सेवा कर विभाग ने कहा कि एस.जी.एस.टी. संग्रहण मार्केट के उतार-चढ़ाव के कारण बढ़ गया।

एकीकृत वस्तु तथा सेवा कर (आई.जी.एस.टी.)

रा.रा.क्षे.दि.स., भारत सरकार से आई.टी.सी. तथा एस.जी.एस.टी./ यू.टी.जी.एस.टी. के उपयोग किए जाने के आधार पर केंद्र द्वारा संग्रहित आई.जी.एस.टी के निपटान के प्रति निधियां प्राप्त करती है जिसको एस.जी.एस.टी. के अंतर्गत लेखाबद्ध किया जाता है। वर्ष 2017-18, 2018-19 तथा 2019-20 के दौरान प्राप्त की गई निधियों के विवरणों को **तालिका 2.6** में दिया गया है।

तालिका 2.6: 2017-18 से 2019-20 की अवधि के लिए
आई.जी.एस.टी. प्रवृत्तियां

(₹ करोड़ में)

शीर्ष	2017-18	2018-19	2019-20
इनपुट टैक्स क्रेडिट	3,302.81	2,419.42	3,500.84
आई.जी.एस.टी. का विभाजन	1,622.13	3,606.66	4,238.94
आई.जी.एस.टी. का अग्रिम विभाजन	735.00	2,582.20	157.00

राजस्व के बकाये

राजस्व के बकाये, सरकार द्वारा राजस्व की वसूली में की गई देरी को दर्शाता है। व्यापार तथा कर विभाग, रा.रा.क्षे.दि.स. द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार मुख्य शीर्ष- 0040 बिक्री पर कर, व्यापार इत्यादि के अंतर्गत 31 मार्च 2020 तक राजस्व के बकाये ₹ 62,199 करोड़ के थे जिसमें से ₹ 12,068 करोड़ पिछले पाँच वर्षों से अधिक समय के बकाये थे।

निर्धारण के बकाये मामले

निर्धारण के बकाये मामले संभावित राजस्व को दर्शाते हैं जो कि विलम्बित निर्धारण के कारण अवरूद्ध थे। वर्ष के आरंभ में लम्बित मामले, निर्धारण के

लिए देय मामले, वर्ष के दौरान निपटान किए गए मामले तथा वर्ष के अंत में अंतिमकरण किए जाने के लिए लंबित मामलों की संख्या को **तालिका 2.7** में दर्शाया गया है।

तालिका 2.7 निर्धारण के बकाये मामले

(₹ करोड़ में)

राजस्व शीर्ष	मामले के प्रारंभिक शेष	2019-20 के दौरान निर्धारण के लिए देय नये मामले	कुल देय निर्धारण	2019-20 के दौरान निपटान किए गए मामले	वर्ष के अन्त में शेष	निपटान की प्रतिशतता
0040 'बिक्री, व्यापार आदि पर कर	-	3,53,788	3,53,788	3,53,788	0	100

स्रोत: व्यापार तथा कर विभाग, रा.रा.क्षे.दि.स.

विभाग द्वारा पता लगाए गए कर के अपवंचन, वापसी के मामले इत्यादि का विवरण

उत्पाद तथा कर विभाग द्वारा पता लगाए गए कर के अपवंचन के मामले, अंतिमकरण किए गए मामले तथा उदघृत किए गए अतिरिक्त कर हेतु मांग राज्य सरकार के राजस्व संग्रहण के प्रयत्नों का महत्वपूर्ण संकेतक है। कर वापसी मामले के निपटान में तत्परता विभाग के निष्पादन का महत्वपूर्ण संकेतक है। वापसी मामले का अधिक लंबन लालफीताशाही, निहित स्वार्थ, अतिरिक्त मुद्रा के प्रचलन इत्यादि के संकेतक है। वर्ष 2019-20 के लिए पता लगाए गए कर के अपवंचन के मामले तथा वापसी मामलों के विवरणों को **तालिका 2.8** तथा **तालिका 2.9** में दर्शाया गया है।

तालिका 2.8: पता लगाए गए कर के अपवंचन

राजस्व शीर्ष	31 मार्च 2019 तक लंबित मामले	2019-20 के दौरान पता लगाए गए मामले	कुल	कुल मामले की संख्या जिनमें निर्धारण/जांच पूरी की गई तथा अतिरिक्त मांग के साथ उदघृत किए गए जुर्माने इत्यादि		31 मार्च 2020 तक अपील के अंतर्गत लंबित मामले की संख्या
				मामले की संख्या	मांग की राशि (₹ करोड़ में)	
जी.एस.टी.	3	845	848	848	15.67	7

स्रोतः व्यापार एवं कर विभाग, रा.रा.क्षे.दि.स.

तालिका 2.9: वर्ष 2019-20 के लिए वापसी मामलों का विवरण

क्र. सं.	विवरण	जीएसटी		बिक्री कर /वैट	
		मामले की संख्या*	राशि (₹ करोड़ में)	मामले की संख्या	राशि (₹ करोड़ में)
1	वर्ष के आरंभ में बकाया दावे	-	-	29,444	1,843.01
2	वर्ष के दौरान प्राप्त किए गए दावे	18,182	6,368.51	5	4.02
3	वर्ष के दौरान वापसी	7,922	521.67	11,690	462.00
4	वर्ष के दौरान अस्वीकृत प्रतिभागी/समायोजित वापसियां	#	#	5,015	40.44
5	वर्ष के अंत में बकाया शेष	-	-	17,759	1,344.59

*विवरण में 2019-20 में सभी ऑनलाइन वापसी की स्थिति शामिल है तथा जुलाई 2017-18, 2018-19 तथा 2019-20 की अंशत: अवधि के लिए ऑफलाइन डाटा उपलब्ध नहीं है।

#सूचना प्रतीक्षित

गैर-कर राजस्व

गैर-कर राजस्व में ब्याज-प्राप्तियाँ, लाभांश तथा लाभ, विभागीय प्राप्तियाँ इत्यादि शामिल होते हैं। रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के गैर-कर राजस्व के संघटकों तथा प्रवृत्तियां को **तालिका 2.10** तथा **चार्ट 2.8** में दिया गया है।

तालिका 2.10: रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के गैर-कर राजस्व के संघटक

(₹ करोड़ में)

राजस्व शीर्ष	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
ब्याज प्राप्तियाँ	**82**	**82**	**396**	**113**	**404**
लाभांश तथा लाभ	**12**	**11**	**16**	**15**	**16**
अन्य गैर-कर प्राप्तियाँ	**421**	**288**	**354**	**516**	**677**
क. लोक निर्माण	19	22	14	18	13
ख. शिक्षा	22	24	26	29	27
ग. चिकित्सा तथा जन स्वास्थ्य	126	60	89	103	112
घ. उर्जा	42	21	26	53	87
ङ. अन्य इत्यादि	212	161	199	313	438
कुल गैर-कर राजस्व	**515**	**381**	**766**	**644**	**1,097**

स्रोत: संबंधित वर्षों के वित्त लेखे

गैर-कर राजस्व 2015-16 में ₹ 515 करोड़ से 113 *प्रतिशत* बढ़कर 2019-20 में ₹ 1,097 करोड़ हो गया। गैर-कर राजस्व जो कि 2019-20 के दौरान राजस्व प्राप्तियाँ (₹ 47,136 करोड़) का 2.33 *प्रतिशत* था पिछले वर्ष की तुलना में ब्याज प्राप्तियों, लाभांशो तथा लाभों में 228.13 *प्रतिशत* की वृद्धि के कारण पिछले वर्ष की तुलना में ₹ 453 करोड़ (70.34 *प्रतिशत*) तक बढ़ गया। ब्याज प्राप्तियाँ, लाभांश तथा लाभ में वृद्धि हुई क्योंकि ऊर्जा विभाग ने रा.रा.क्षे.दि.स. की ओर से दिल्ली ट्रांस्को लिमिटेड (दि.ट्रा.लि.), दिल्ली पॉवर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड (दी.पॉ.जे.क.लि.) तथा प्रगति पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड (प्र.पॉ.कॉ.लि.) को कार्यशील आवश्यकताओं के लिए ऋण प्रदान किया था। वित्तीय वर्ष 2018-19 के आगामी वर्षों में आई.पी.जी.सी.एल. और पी.पी.सी.एल.वित्तीय संकट का सामना कर रही थी इसलिए ऋणों का भुगतान करने में असमर्थ थी। हालांकि वित्तीय वर्ष 2019-20 में पी.पी.सी.एल. ने रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार से लिए गए ऋणों पर ब्याज के कारण लगभग ₹ 354.25 करोड़ का भुगतान किया था।

चार्ट 2.8: गैर-कर राजस्व शीर्ष में प्रवृत्तियाँ

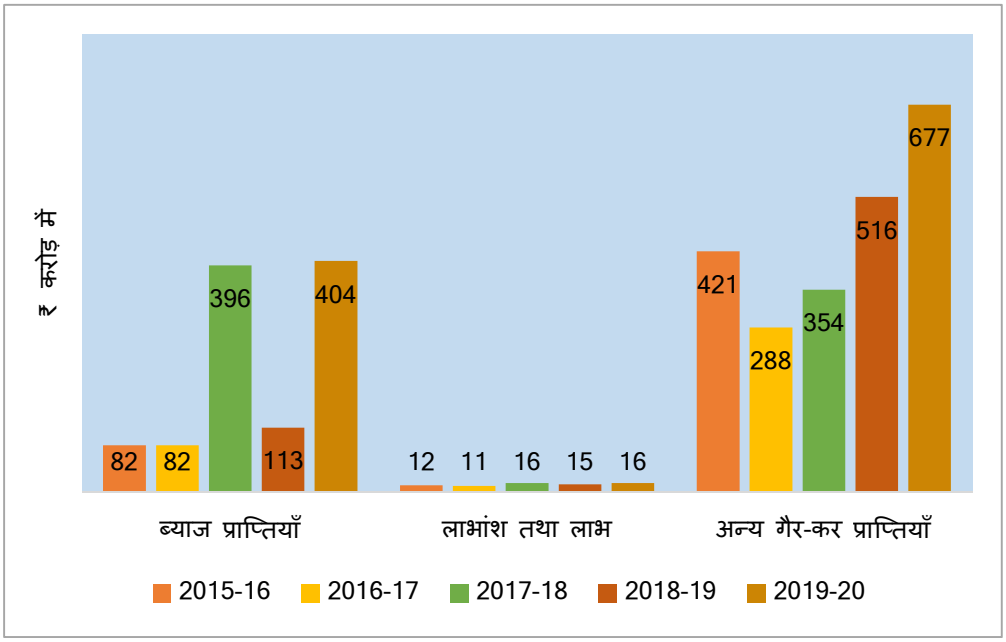

अन्य गैर-कर प्राप्तियाँ 2015-16 से 2019-20 के दौरान ₹ 256 करोड़ (60.81 *प्रतिशत*) तक बढ़ गई। पिछले वर्ष की तुलना में 2019-20 के दौरान ₹ 161 करोड़ (31.20 *प्रतिशत)* की वृद्धि मुख्य रूप से सामान्य सेवाओं के अंतर्गत शीर्ष जैसे लोक सेवा आयोग, पुलिस, जेल तथा अन्य प्रशासनिक सेवाओं में गैर कर प्राप्तियों में 136.77 *प्रतिशत वृद्धि* के कारण हुई थी। अन्य गैर-कर राजस्व प्राप्तियों में प्रवृत्तियों को **चार्ट 2.9** में दर्शाया गया है।

चार्ट 2.9: अन्य गैर-कर प्राप्ति शीर्षों में प्रवृत्तियाँ

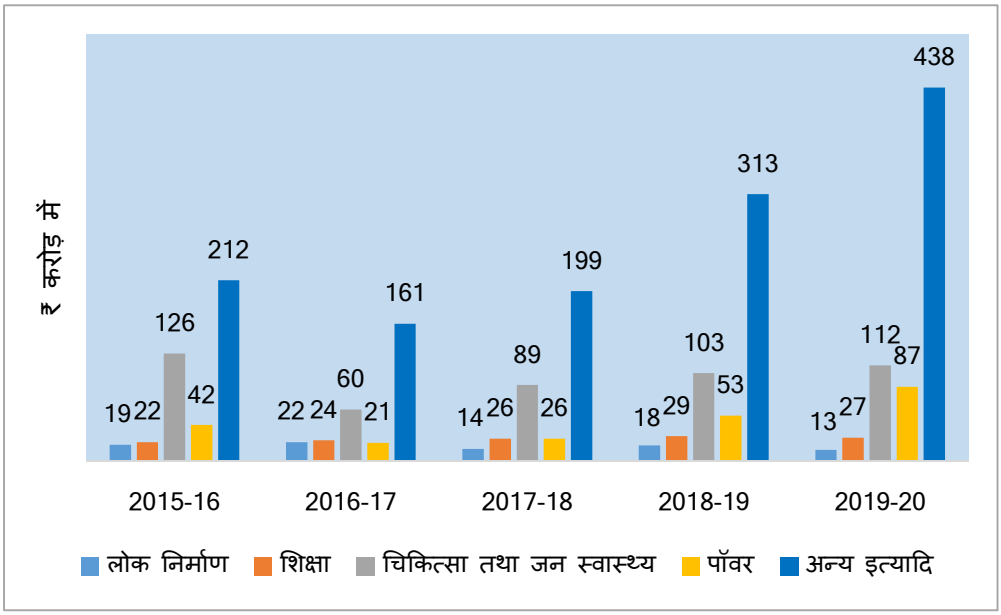

2.3.2.3 भारत सरकार से सहायता अनुदान

भारत सरकार ने 2017-18 के दौरान राज्यों को सहायता अनुदान (स.अ.) उपलब्ध कराए जाने के लिए योजना तथा गैर-योजना वर्गीकरण को बंद कर दिया था। भा.स. से स.अ. के विवरण **तालिका 2.11** में है।

तालिका 2.11: भारत सरकार से सहायता अनुदान

(₹ करोड़ में)

शीर्ष	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
केन्द्रीय प्रायोजित योजनाएँ (के.प्रा.यो.)	866.55	1,156.28	527.27	807.03	1,169.48
सामान्य केन्द्रीय योजना सहायता (ब्लॉक अनुदान)	394.98	462.89	412.98	449.99	472.00
अन्य अनुदान (एन.पी.)	2,580.02	793.71	706.30	79.75	70.56
केन्द्रीय करों में अंश के बदले अनुदान	325.00	325.00	325.00	325.00	325.00
जी.एस.टी. के कार्यान्यवन से उत्थित राजस्व की हानि का मुआवजा	-	-	157.00	4,182.00	7,436.00
राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (रा.सा.स.का.)	27.15	81.73	54.59	रा.सा.स.का. 2018-19 से के.प्रा.यो. में शामिल कर दी गई।	रा.सा.स.का. 2018-19 से के.प्रा.यो. में शामिल कर दी गई थी।
केन्द्रीय सड़क निधि (के.स.नि.)	14.59	5.54	1.16	-	-
अन्य अनुदान (योजना)	50.00	-	-	-	-
कुल	**4,258.29**	**2,825.15**	**2,184.30**	**5,843.77**	**9,473.04**
स.अ. से राजस्व प्राप्तियों की प्रतिशतता	**12.17**	**8.23**	**5.65**	**13.55**	**20.10**

स्रोत: संबंधित वर्षों के वित्त लेखे

भा.स. से स.अ. 2015-16 में ₹ 4,258 करोड़ से बढ़कर 2019-20 में ₹ 9,473 करोड़ (122.48 *प्रतिशत*) तक हो गया। भा.स. से स.अ. पिछले वर्ष की तुलना में 2019-20 में ₹ 3,629 करोड़ (62.10 *प्रतिशत*) तक बढ़ गया। इसमें जी.एस.टी. के कार्यान्यवन से उत्थित राजस्व की हानि के बदले 2019-20 में ₹ 7,436 करोड़ का मुआवजा भी शामिल है जो पिछले वर्ष की तुलना में ₹ 3,254 करोड़ (77.81 *प्रतिशत*) तक बढ़ गया था। दिल्ली, केन्द्रीय वित्त आयोग की सिफारिशों के अंतर्गत नहीं आती है और केन्द्रीय कर तथा शुल्कों के राज्य अंश के बदले में केवल विवेकाधीन अनुदान प्राप्त करती है जो कि 2001-2002 से ₹ 325 करोड़ पर स्थिर हो गये हैं, यद्यपि केन्द्रीय कर संग्रहण 2001-02 से पर्याप्त रूप से बढ़ गया है। 2015-16 से 2019-20 तक की अवधि के लिए स.अ. में प्रवृत्तियों को **चार्ट 2.10** में दर्शाया गया है।

चार्ट 2.10: सहायता अनुदान में प्रवृत्ति

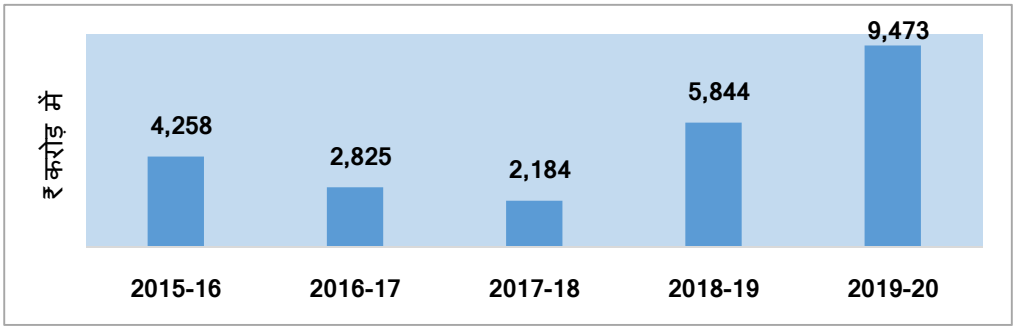

2.3.3 पूँजीगत प्राप्तियाँ

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार की पूँजीगत प्राप्तियों में भा.स. से ऋणों तथा अग्रिमों (गैर-ऋणो) की वसूलियां तथा ऋणों तथा अग्रिमों (ऋण) की प्राप्तियाँ समाहित होती है। पाँच वर्षों के दौरान (2015-16 से 2019-20 तक) पूँजीगत प्राप्तियों का विवरण **तालिका 2.12** में दर्शाया गया है।

तालिका 2.12: पूँजीगत प्राप्तियों की वृद्धि तथा संघटकों में प्रवृत्तियाँ

(₹ करोड़ में)

रा.रा.क्षे. दिल्ली की प्राप्तियों के स्रोत	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
पूँजीगत प्राप्तियाँ (ऋण तथा गैर-ऋण)	**2,324**	**1,908**	**2,597**	**4,524**	**5,588**
ऋणों तथा अग्रिमों की वसूलियां (गैर-ऋण)	83	212	691	1,644	823
निवल लोक ऋण प्राप्तियाँ	**806**	**41**	**224**	**(-)756**	**1,954**
आंतरिक ऋण[4]	-	-	-	-	-
वृद्धि दर	-	-	-	-	-
भा.स. से ऋण तथा अग्रिम (ऋण)	2,241	1,696	1,906	2,880	4,765
वृद्धि दर	27.04	(-)24.32	12.38	51.10	65.45
पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि की दर (*प्रतिशत*)					
ऋण पूँजीगत प्राप्तियों की वृद्धि की दर	27.04	(-)24.32	12.38	51.10	65.45
गैर-ऋण पूँजीगत प्राप्तियों की वृद्धि की दर	(-)63.60	155.42	225.94	137.92	(-)49.94
स.रा.घ.उ. की वृद्धि की दर	11.32	11.85	11.48	12.82	10.48
पूँजीगत प्राप्तियों की वृद्धि की दर (*प्रतिशत*)	16.67	(-)17.90	36.11	74.20	23.52

स्रोत: वित्त लेखों तथा स.रा.घ.उ. के लिए आर्थिक तथा सांख्यिकी संगठन, भा.स. की कार्यालयी वेबसाइट (www.esop.gov.in)

गैर-ऋण पूँजीगत प्राप्तियाँ 2018-19 में ₹ 1,644 करोड़ से 49.94 *प्रतिशत* तक घट कर 2019-20 में ₹ 823 करोड़ हो गई। ऋण पूँजीगत प्राप्तियाँ पिछले वर्षों की तुलना में भा.स. से ऋणों तथा अग्रिमों में 65.45 *प्रतिशत* अधिक वृद्धि के कारण 2018-19 में ₹ 2,880 करोड़ से बढ़कर 2019-20 में ₹ 4,765 करोड़ हो कर 65.45 *प्रतिशत* तक बढ़ गई।

[4] रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार की कोई आंतरिक ऋण नहीं है।.

2.4 संसाधनों के उपयोग

राज्य सरकार का राजकोषीय उत्तरदायित्व विधानों के ढांचे के अंतर्गत व्यय करने की जिम्मेदारी के साथ निहित है, जो कि उसी समय यह सुनिश्चित करती है कि राज्य में चल रहे वित्तीय सुधार तथा समेकन प्रक्रिया पूँजीगत बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में व्यय की लागत पर नहीं है। यह पैराग्राफ उप-पैराग्राफ के साथ राज्य में व्यय के आवंटन का विश्लेषण करता है।

2.4.1 व्यय की वृद्धि तथा संघटन

पिछले पाँच वर्षों (2015-16 से 2019-20) की तुलना में कुल व्यय की प्रवृत्तियां तथा संघटन **तालिका 2.13** तथा **चार्ट 2.11** में दर्शाया गया है।

तालिका 2.13: कुल व्यय तथा उनके संघटक

(₹ करोड़ में)

मापदंड	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
कुल व्यय (कु.व्य.)	33,750	35,609	39,245	42,520	48,375
राजस्व व्यय (रा.व्य.)	26,343	29,302	33,754	36,852	39,637
पूँजीगत व्यय (पूँ.व्य.)	4,723	3,754	3,243	3,266	5,472
ऋण तथा अग्रिम	2,684	2,553	2,248	2,402	3,266
स.रा.घ.उ. की प्रतिशतता के रूप में					
कु.व्य./स.रा.घ.उ.	6.13	5.78	5.71	5.49	5.65
रा.व्य./स.रा.घ.उ.	4.78	4.76	4.91	4.76	4.63
पूँ.व्य./स.रा.घ.उ.	0.86	0.61	0.47	0.42	0.64
ऋण तथा अग्रिम/ स.रा.घ.उ.	0.49	0.41	0.33	0.31	0.38

स्रोत: संबंधित वर्षों के वित्त लेखे

चार्ट 2.11: कुल व्यय: प्रवृत्तियां तथा संघटक

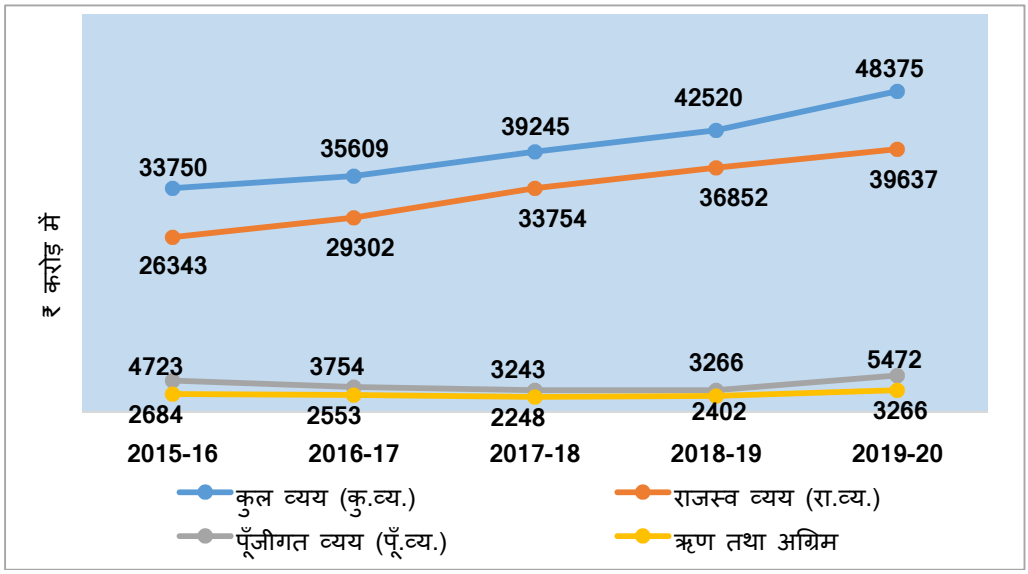

स्रोत: संबंधित वर्षों के वित्त लेखे

चार्ट से यह देखा जा सकता है कि पूँजीगत व्यय वर्ष के मध्य में ₹ 3,243 करोड़ से ₹ 5,472 करोड़ के बीच उतार-चढ़ाव प्रदर्शित करता है जबकि उसी अवधि की

तुलना में राजस्व व्यय मुख्य रूप से सामाजिक सेवाओं के व्यय में वृद्धि के कारण 2015-20 के दौरान लगातार बढ़ा।

इसके अतिरिक्त ऋणों तथा अग्रिमों का संवितरण भी वर्ष के मध्य में ₹ 2,248 करोड़ से ₹ 3,266 करोड़ के बीच उतार-चढ़ाव को दर्शाता है।

व्यय के संघटकों के अंश में प्रवृत्तियां

कुल व्यय के संघटकों में प्रवृत्तियों को **चार्ट 2.12** में दिखाया गया है। राजस्व व्यय कुल व्यय का 81.94 *प्रतिशत* था जबकि वर्ष 2019-20 के लिए पूँजीगत व्यय तथा ऋणों और अग्रिमों का संवितरण क्रमश: 11.31 *प्रतिशत* तथा 6.75 *प्रतिशत* था।

चार्ट 2.12: कुल व्यय: इनके संघटकों के अंश में प्रवृत्तियां

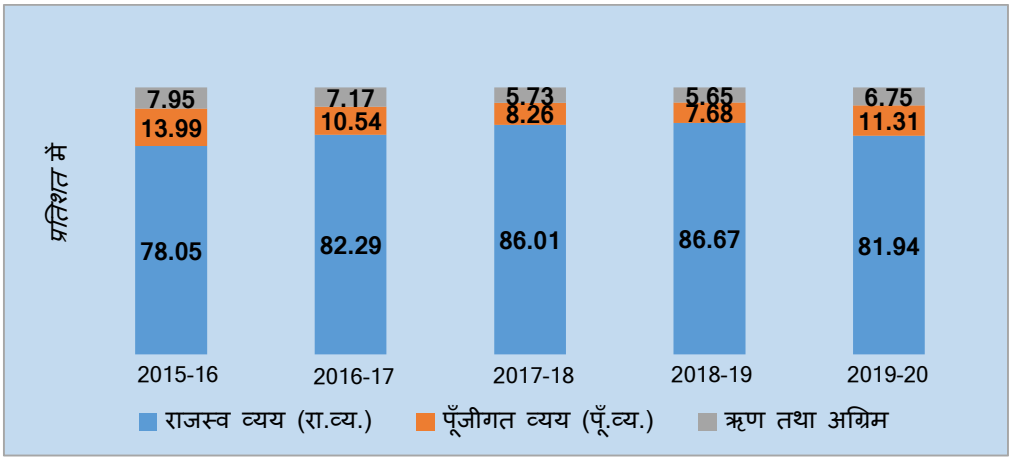

स्रोत: संबंधित वर्षों के वित्त लेखे

व्यय के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित अंश

व्यय के विभिन क्षेत्रों से संबधित अंशों को **तालिका 2.14** में दर्शाया गया है। कुल व्यय (लोक ऋण को छोड़कर) में सामान्य सेवाओं के अंश 2018-19 में 18.31 *प्रतिशत* से 2019-20 में 15.45 *प्रतिशत* तक घट गए।

तालिका 2.14: कुल व्यय (लोक ऋण को छोड़कर) में से व्यय के विभिन्न क्षेत्रों के संबंधित अंश

(प्रतिशत में)

मापदंड	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
सामान्य सेवाएं	20.16	19.49	18.92	18.31	15.45
सामाजिक सेवाएं	48.94	52.54	53.96	55.08	53.16
आर्थिक सेवाएं	20.11	17.93	18.61	15.40	16.62
अन्य (सहायता अनुदान एवं अंशदान तथा ऋण तथा अग्रिम	10.79	10.04	8.51	11.21	14.77

सामाजिक सेवाओं के अंश 2018-19 में 55.08 *प्रतिशत* से घट कर 2019-20 में 53.16 *प्रतिशत* हो गए। आर्थिक सेवाओं के अंश भी 2018-19 में

15.40 *प्रतिशत* से बढ़कर 2019-20 में 16.62 *प्रतिशत* हो गए। ऋणों तथा अग्रिमों और स्थानीय निकायों के अनुदानों के संवितरण पर कुल व्यय 2018-19 में 11.21 *प्रतिशत* से बढ़कर 2019-20 में 14.77 *प्रतिशत* हो गया। कुल व्यय- गतिविधियों को **चार्ट 2.13** में दर्शाया गया है।

चार्ट: 2.13: कुल व्यय-गतिविधियों द्वारा व्यय

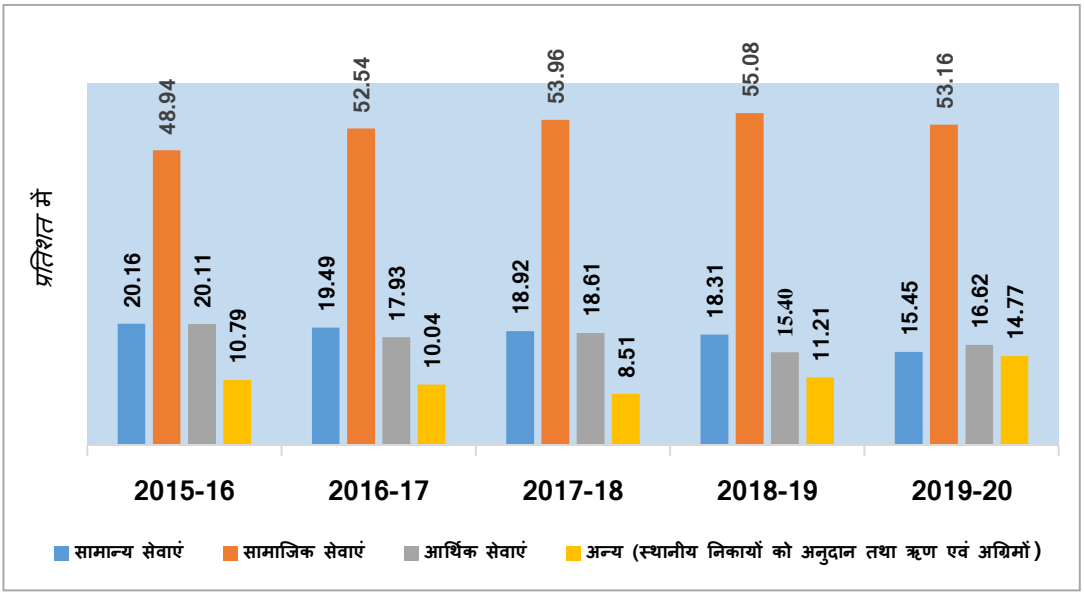

रा.रा.क्षे. दिल्ली द्वारा कुल संवितरणों के संघटकों को **चार्ट 2.2** में दर्शाया गया है।

2.4.2 राजस्व व्यय

राजस्व व्यय सेवाओं के वर्तमान स्तर को बनाए रखने तथा पिछले अनुबंधों के लिए भुगतान पर किया जाता है। इस प्रकार, राज्य अवसंरचना तथा सेवा नेटवर्क की किसी वृद्धि में इसका कोई परिणाम नहीं होता। **तालिका 2.15** पाँच वर्षों (2015-16 से 2019-20) की तुलना में राजस्व व्यय को प्रस्तुत करती है। राजस्व व्यय 2015-16 में ₹ 26,343 करोड़ से 50.47 *प्रतिशत* बढ़कर 2019-20 में ₹ 39,637 करोड़ हो गया। स.रा.घ.उ. की *प्रतिशतता* के रूप में राजस्व व्यय 2015-16 में 4.78 *प्रतिशत* से घटकर 2019-20 में 4.63 *प्रतिशत* हो गया। राजस्व व्यय 7.56 *प्रतिशत* बढ़कर 2018-19 में ₹ 36,852 करोड़ से 2019-20 में ₹ 39,637 करोड़ हो गया जो मुख्य रूप से आर्थिक सेवाओं पर राजस्व व्यय में वृद्धि के कारण 2018-19 में ₹ 5,219 करोड़ से बढ़कर 2019-20 में ₹ 6,530 करोड़ (25.12 *प्रतिशत*) तथा सहायता अनुदान एवं अंशदान में पिछले वर्ष की तुलना में ₹ 2,365 करोड़ से बढ़कर 2019-20 में ₹ 3,878.70 करोड़ (64 *प्रतिशत*) हो गया।

तालिका 2.15: राजस्व व्यय-मूल मापदंड

(₹ करोड़ में)

मापदंड	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
कुल व्यय (कु.व्य.)	33,750	35,609	39,245	42,520	48,375
राजस्व व्यय (रा.व्य.)	26,343	29,302	33,754	36,852	39,637
रा.व्य. में वृद्धि की दर (*प्रतिशत*)	12.05	11.23	15.19	9.18	7.56
राजस्व व्यय कु.व्य की *प्रतिशतता* के रूप में	78.05	82.29	86.01	86.67	81.94
सकल राज्य घरेलू उत्पाद (2011-12 क्रम)	5,50,804	6,16,085	6,86,824	7,74,870	8,56,112
स.रा.घ.उ. की वृद्धि की दर (*प्रतिशत*)	11.32	11.85	11.48	12.82	10.48
रा.व्य./स.रा.घ.उ. (*प्रतिशत*)	4.78	4.75	4.91	4.76	4.63
रा.प्रा. की *प्रतिशतता* के रूप में रा.व्य.	75.27	85.31	87.29	85.48	84.09
राजस्व व्यय की उत्प्लावकता					
स.रा.घ.उ. के संदर्भ में राजस्व व्यय उत्प्लावकता (अनुपात)	1.06	0.95	1.32	0.72	0.72
राजस्व प्राप्तियों के संदर्भ में राजस्व व्यय उत्प्लावकता (अनुपात)	0.66	(-)6.01	1.21	0.80	0.81

स्रोत: संबंधित वर्षों के वित्त लेखे

2019-20 में स.रा.घ.उ. के सापेक्ष राजस्व व्यय की उत्पलावकता 0.72 दर्शाती है कि राजस्व व्यय स.रा.घ.उ. में प्रत्येक एक *प्रतिशत* वृद्धि के लिए 0.72 *प्रतिशत* बढ़ गया। 2019-20 में राजस्व प्राप्तियों के सापेक्ष 0.81 की राजस्व व्यय की उत्पलावकता दर्शाती है कि राजस्व प्राप्तियों में प्रत्येक एक *प्रतिशत* वृद्धि के लिए 0.81 *प्रतिशत* तक राजस्व व्यय बढ़ गया। राजस्व व्यय राजस्व प्राप्तियों की प्रतिशतता के रूप में 2015-16 में 75.27 *प्रतिशत* से बढ़कर 2019-20 में 84.09 *प्रतिशत* बढ़ गया।

2019-20 अवधि के लिए राजस्व व्यय के क्षेत्र-वार संवितरण को **चार्ट 2.14** में दिखाया गया है।

चार्ट 2.14: 2019-20 के लिए राजस्व व्यय का क्षेत्र-वार संवितरण

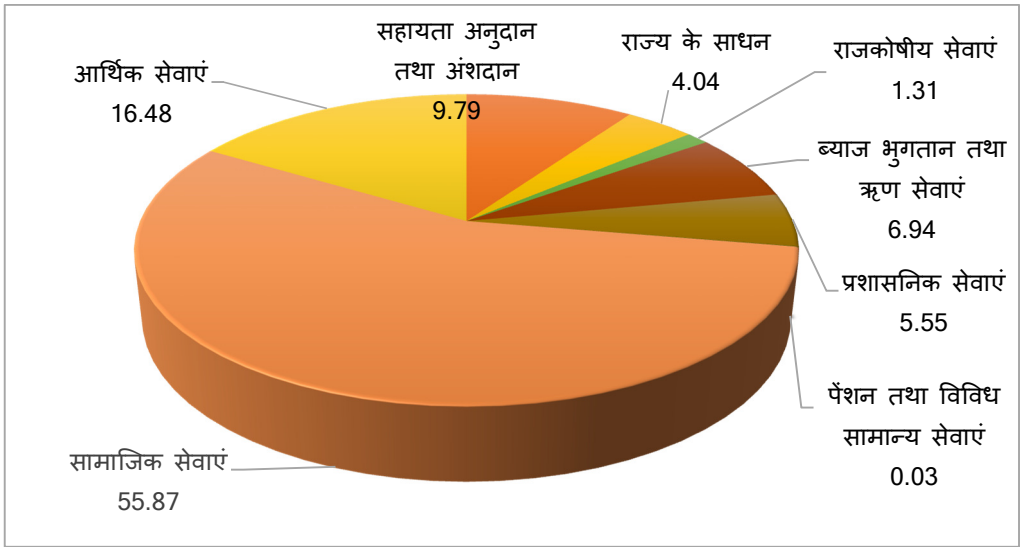

2.4.2.1 राजस्व व्यय में मुख्य बदलाव

लेखों के मुख्य शीर्षों के अंतर्गत 2018-19 की तुलना में 2019-20 के दौरान राजस्व व्यय में विभिन्नताओं को **तालिका 2.16** में दर्शाया गया है।

तालिका 2.16: 2018-19 की तुलना में 2019-20 के दौरान मुख्य शीर्षों की तुलना में राजस्व व्यय में विभिन्नताएं

(₹ करोड़ में)

लेखों के मुख्य शीर्ष	2018-19	2019-20	वृद्धि(+)/कमी (-) (*प्रतिशत* में)
2040-बिक्री, व्यापार इत्यादि पर कर	108.85	41.38	(-)61.98
2215-जल आपूर्ति तथा स्वच्छता	1,349.50	1,415.35	4.88
2225-अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछले वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण	211.08	265.22	25.65
2236 पोषण	113.13	149.42	32.08
2501-ग्रामीण विकास के लिए विशेष कार्यक्रम	4.14	6.39	54.35
2075-विविध सामान्य सेवाएं	11.37	9.67	(-)14.95
2216-गृह	481.81	102.61	(-)78.70
2515-अन्य ग्रामीण विकास कार्यक्रम	8.16	7.67	(-)5.88

राजस्व व्यय के मुख्य शीर्षों में *प्रतिशत* बदलाव ने दो वर्षों की अवधि की तुलना में बहुत अधिक भिन्नताएं दर्शायी। राजस्व व्यय शीर्ष '2216- गृह' के अंतर्गत पिछले वर्ष से 78.70 *प्रतिशत* तक घट गया जबकि जी.एस.टी के कार्यान्वयन के कारण पिछले वर्ष की तुलना में शीर्ष '2040- बिक्री, व्यापार इत्यादि पर कर' के अंतर्गत व्यय 61.98 *प्रतिशत* तक घट गया।

2.4.2.2 प्रतिबद्ध व्यय

राजस्व लेखा पर रा.रा.क्षे.दि.स. के प्रतिबद्ध व्यय में वेतन और मजदूरी, पेंशन और ब्याज भुगतान पर व्यय शामिल है। सरकारी संसाधनों पर इसका पहला प्रभार है। प्रतिबद्ध व्यय पर वृद्धि की प्रवृत्तियों के कारण सरकार के पास विकास क्षेत्र के लिए लचीलापन कम रहता है। प्रतिबद्ध व्यय के घटकों को **तालिका 2.17** में दर्शाया गया है।

तालिका 2.17: प्रतिबद्ध व्यय के घटक

(₹ करोड़ में)

प्रतिबद्ध व्यय के घटक	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
वेतन एवं मजदूरी	6,251.17	7,515.26	9,089.60	10,324.66	11,070.04
पेंशन पर व्यय*	3.57	5.43	3.84	3.31	3.56
ब्याज भुगतान	2,809.81	2,882.52	2,870.67	2,867.11	2,751.87
कुल	**9,064.55**	**10,403.21**	**11,964.11**	**13,195.08**	**13,825.47**
राजस्व प्राप्तियों (रा.प्रा.) की *प्रतिशतता* के रूप में					
वेतन एवं मजदूरी	17.86	21.88	23.51	23.95	23.49
पेंशन पर व्यय	0.010	0.016	0.010	0.008	0.008
ब्याज भुगतान	8.03	8.39	7.42	6.65	5.84
कुल	**25.90**	**30.29**	**30.94**	**30.61**	**29.33**
राजस्व व्यय (रा.व्य.) की *प्रतिशतता* के रूप में					
वेतन एवं मजदूरी	23.73	25.65	26.93	28.02	27.93
पेंशन पर व्यय	0.014	0.019	0.011	0.009	0.009
ब्याज भुगतान	10.67	9.84	8.50	7.78	6.94
कुल	**34.41**	**35.50**	**35.44**	**35.81**	**34.88**

*दिल्ली में पूर्व विधायकों तथा स्वतंत्रता सेनानियों के पेंशन । रा.रा.क्षे.दि.स. के कार्मिकों की पेंशन देयता भारत सरकार द्वारा वहन की जाती है।

कुल राजस्व व्यय में प्रतिबद्ध व्यय के अंश **चार्ट 2.15** में दर्शाये गये हैं।

चार्ट 2.15: कुल राजस्व व्यय में प्रतिबद्ध व्यय के घटक के अंश

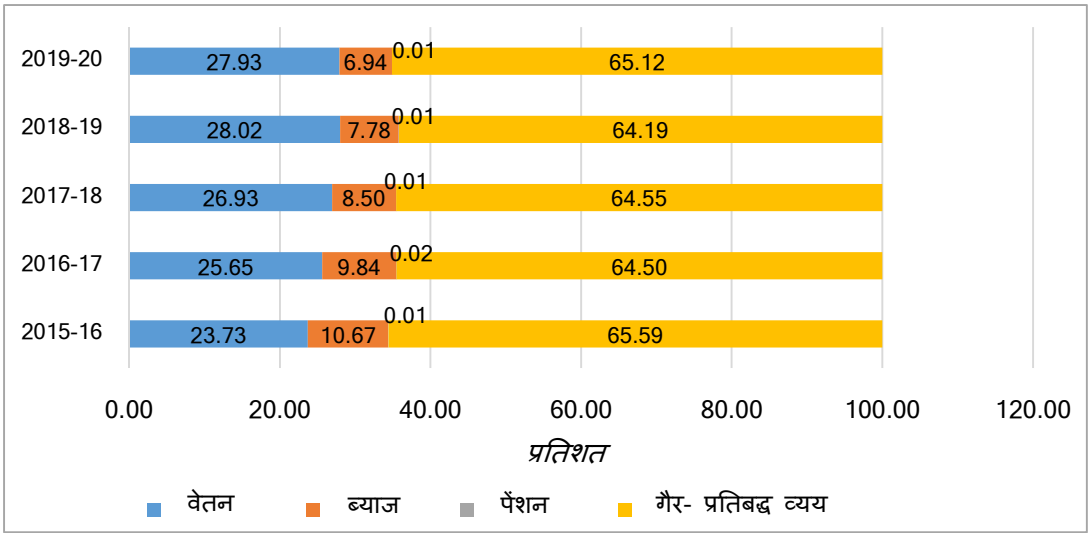

2.4.2.3 राष्ट्रीय पेंशन योजना

राज्य सरकार के कर्मचारी जिनकी भर्ती 1 जनवरी 2004 को या उसके पश्चात् हुई है, राष्ट्रीय पेंशन योजना (रा.पें.यो.) के पात्र हैं। योजना की शर्तों के अनुसार, कर्मचारियों को अपने मूल वेतन तथा मंहगाई भत्ते के 10 *प्रतिशत* का अंशदान देना होता है, हालांकि नियोक्ता का अंशदान 1 अप्रैल 2019 से 10 *प्रतिशत* से बढ़ाकर 14 *प्रतिशत* कर दिया गया है। पूरी राशि नेशनल सिक्यूरिटी डिपोजटरी लिमिटेड (एन.एस.डी.एल.)/ट्रस्टी बैंक द्वारा निर्दिष्ट निधि प्रबंधक को हस्तांतरित कर दी जाती है।

प्रधान लेखा कार्यालय द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, 2019-20 के दौरान, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार द्वारा कर्मचारियों के अंशदान के ₹ 289.34 करोड़ तथा नियोक्ताओं के अंशदान के ₹ 396.44 करोड़ के प्रति कुल ₹ 685.78 करोड़ एन.एस.डी.एल./ट्रस्टी बैंक में जमा कराये गये थे। इस प्रकार, रा.पें.यो. के अंतर्गत 2019-20 के दौरान कार्मिकों के साथ-साथ नियोक्ताओं के प्रति कोई बकाया नहीं था।

2.4.2.4 सब्सिडी

रा.रा.क्षे.दि.स. द्वारा सब्सिडी पर व्यय को **तालिका 2.18** में दिखाया गया है। सब्सिडी पर व्यय 2015-16 में ₹ 1,867.61 करोड़ से बढ़कर 2019-20 में ₹ 3,592.94 करोड़ (92.38 *प्रतिशत*) हो गया। 2019-20 में सब्सिडी पर व्यय पिछले वर्ष की तुलना में 41.85 *प्रतिशत* बढ़ गया।

तालिका 2.18: 2015-16 से 2019-20 के दौरान सब्सिडी पर व्यय

(₹ करोड़ में)

	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
सब्सिडी	1,868	2,160	2,497	2,533	3,593
राजस्व प्राप्तियाँ	34,999	34,346	38,667	43,113	47,136
राजस्व व्यय	26,343	29,302	33,754	36,852	39,637
राजस्व प्राप्तियों की प्रतिशतता के रूप में सब्सिडी (*प्रतिशत* में)	5.34	6.29	6.46	5.88	7.62
राजस्व व्यय की प्रतिशतता के रूप में सब्सिडी (*प्रतिशत* में)	7.09	7.37	7.40	6.87	9.06

राजस्व प्राप्तियों के *प्रतिशत* के रूप में सब्सिडी 2018-19 में 5.88 *प्रतिशत* से बढ़कर 2019-20 में 7.62 *प्रतिशत* हो गई। राजस्व व्यय के *प्रतिशत* के रूप में सब्सिड़ी 2018-19 में 6.87 *प्रतिशत* से बढ़कर 2019-20 में 9.06 *प्रतिशत* हो गई।

2.4.2.5 स्थानीय निकायों एवं अन्य संस्थानों को रा.रा.क्षे.दि.स. द्वारा वित्तीय सहायता

स्थानीय निकायों एवं अन्य संस्थानों को रा.रा.क्षे.दि.स. द्वारा अनुदान और ऋण के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान की गई। विवरण **तालिका 2.19** में दिखाया गया है तथा वित्तीय सहायता में प्रवृत्तियों को **चार्ट 2.16** में दर्शाया गया है।

तालिका 2.19: स्थानीय निकायों आदि को वित्तीय सहायता

(₹ करोड़ में)

संस्थानों को वित्तीय सहायता	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
(क) स्थानीय निकाय					
नगर निगमों और नगर पालिकाओं	5,477.95	6,057.07	6,241.68	6,337.30	6,221.62
कुल (क)	**5,477.95**	**6,057.07**	**6,241.68**	**6,337.30**	**6,221.62**
(ख) अन्य					
दिल्ली छावनी बोर्ड	26.46	25.16	26.27	23.08	14.52
दिल्ली जल बोर्ड	1,718.97	1,384.65	1,930.00	2,315.98	2,855.46
दिल्ली परिवहन निगम	1,150.00	1,550.00	2,007.00	1,825.00	2,030.00
दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड	311.83	307.00	255.53	506.70	378.89
अन्य (दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन, उच्चतर शिक्षा, अस्पताल, सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ, तकनीकी शिक्षा आदि)	3,168.54	3,138.88	2,962.37	4,079.16	4,732.48
कुल (ख)	**6,375.80**	**6,405.69**	**7,181.17**	**8,749.92**	**10,011.35**
कुल (क+ख)	**11,853.75**	**12,462.76**	**13,422.85**	**15,087.22**	**16,232.97**
राजस्व व्यय	26,343.00	29,302.00	33,754.00	36,852.00	39,637.00
राजस्व व्यय के *प्रतिशत* के रूप में सहायता	45.00	42.53	39.77	40.94	40.95

स्रोत: प्रधान लेखा कार्यालय, रा.रा.क्षे.दि.स. से प्राप्त सूचना

चार्ट 2.16 वित्तीय सहायता की प्रवृत्तियां

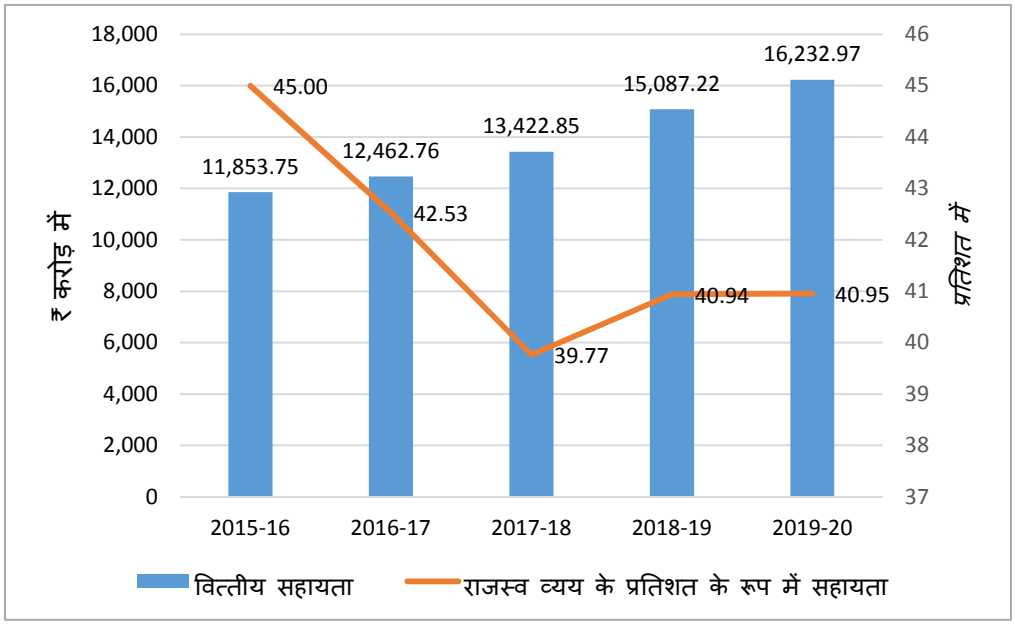

स्थानीय निकायों तथा अन्य को वित्तीय सहायता 2018-19 में ₹ 15,087.22 करोड़ से 7.59 *प्रतिशत* बढ़कर 2019-20 में ₹ 16,232.97 करोड़ हो गई। राजस्व व्यय के *प्रतिशत* के रूप में वित्तीय सहायता 2018-19 में 40.94 *प्रतिशत* से मामूली रूप से बढ़कर 2019-20 में 40.95 *प्रतिशत* हो गई।

2.4.3 पूँजीगत व्यय

पूँजीगत व्यय (पू.व्यय) मुख्य रूप से अचल अवसंरचना परिसंपत्तियों जैसे कि सड़कों, भवनों आदि के निर्माण पर व्यय है। पूँजीगत व्यय की प्रवृत्तियां **चार्ट 2.17** में प्रस्तुत की गई हैं।

चार्ट 2.17: रा.रा.क्षे. दिल्ली में पूँजीगत व्यय

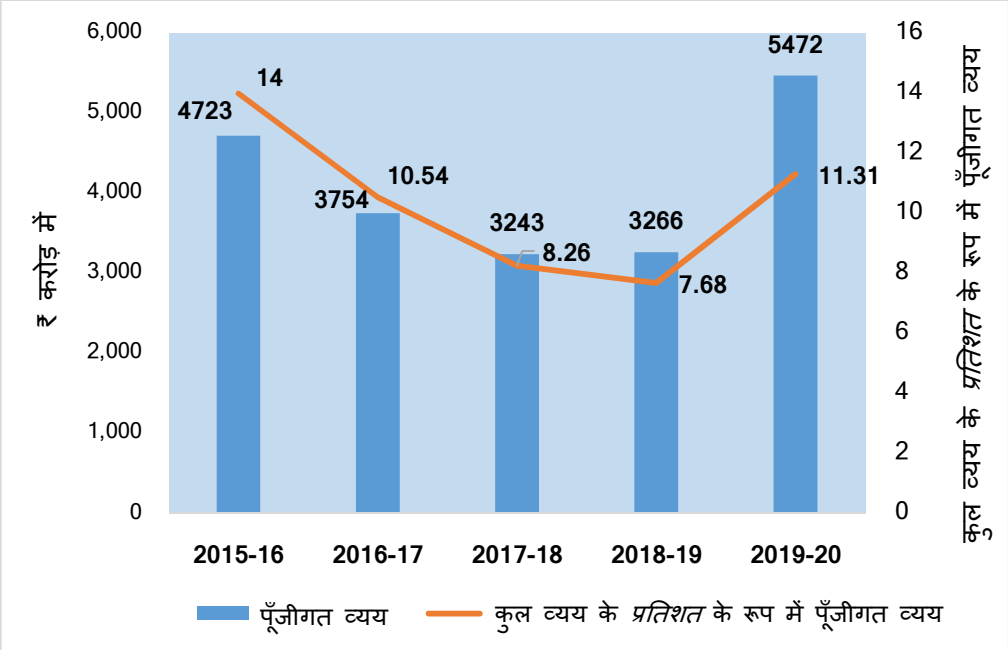

चार्ट से यह देखा जा सकता है कि वर्षों के अंतराल में पूँजीगत व्यय में ₹ 3,243 करोड़ से ₹ 5,472 करोड़ के बीच उतार-चढ़ाव है।

इसी प्रकार, कुल व्यय के *प्रतिशत* के रूप में पूँजीगत व्यय वर्षों के अंतराल में उतार-चढ़ाव को दर्शाता है, जो कि 2015-20 की अवधि के दौरान 7.68 *प्रतिशत* से 14 *प्रतिशत* के बीच था। पूँजीगत व्यय पिछले वर्ष की तुलना में 2019-20 में (67.54 *प्रतिशत*) बढ़कर ₹ 3,266 करोड़ से ₹ 5,472 करोड़ हो गया।

2.4.3.1 पूँजीगत व्यय में प्रमुख परिवर्तन

पूँजीगत व्यय के प्रमुख शीर्षों में परिवर्तन **तालिका 2.20** में दर्शाए गये हैं।

तालिका 2.20: 2018-19 की तुलना में 2019-20 के दौरान लेखा के प्रमुख शीर्षों के अंतर्गत पूँजीगत व्यय

(₹ करोड़ में)

लेखा के प्रमुख शीर्ष	2018-19	2019-20	वृद्धि (+)/ कमी (-)
5054-सड़कों और पुलों पर पूँजीगत परिव्यय	923.84	771.92	(-)151.92
5055-सड़क परिवहन पर पूँजीगत परिव्यय	152.20	282.89	130.69
4702-लघु सिंचाई पर पूँजीगत परिव्यय	-	0.09	0.09
4711-बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं पर पूँजीगत परिव्यय	68.52	116.20	47.68
4059-लोक निर्माण पर पूँजीगत परिव्यय	135.83	192.62	56.79
4210-चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य पर पूँजीगत परिव्यय	306.47	357.37	50.90
4801-ऊर्जा परियोजनाओं पर पूँजीगत परिव्यय	7.96	2.69	(-)5.27
4202- शिक्षा, खेल, कला व संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय	601.64	1298.99	697.35
4217-शहरी विकास पर पूँजीगत परिव्यय	685.78	1823.10	1137.32

स्रोत: संबंधित वर्षों के वित्त लेखे

अनिवार्य मंजूरी प्राप्त होने में प्रारंभिक देरी के बाद प्रमुख कार्यों के शुरू होने के कारण पिछले वर्ष की तुलना में चिकित्सा तथा जन स्वास्थ्य पर पूँजीगत परिव्यय में 16.61 *प्रतिशत* की वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष की तुलना में '5054- सड़कों और पुलों पर पूँजीगत परिव्यय' शीर्ष पर पूँजीगत व्यय में 16.44 *प्रतिशत* (₹ 151.92 करोड़) की कमी नई परियोजनाओं के गैर-अनुमोदन के कारण हुई। हालांकि इसी अवधि में '5055-सड़क परिवहन पर पूँजीगत परिव्यय' में 85.87 *प्रतिशत* (₹ 130.69 करोड़) की वृद्धि हुई। शिक्षा विभाग द्वारा नई परियोजनाओं जैसे स्कूल के निर्माण तथा अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण के अनुमोदन के कारण शिक्षा, खेल, कला और संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय में वृद्धि हुई। इसके अलावा मुख्य शीर्ष- 4217[6] के अंतर्गत दो विकास योजनाओं[5] पर निधियों के आवंटन तथा एक अन्य विकास योजना[7] में निधि के आवंटन में वृद्धि के कारण शहरी विकास पर पूँजीगत परिव्यय में पिछले वर्ष की तुलना में 165.84 *प्रतिशत* की वृद्धि हुई।

2.4.3.2 निवेश तथा प्रतिफल

31 मार्च 2020 तक, सरकार ने सरकारी कंपनियों तथा सहकारी समितियों में ₹ 19,411 करोड़ का निवेश किया था। 2019-20 में किए गए निवेश में पिछले वर्ष की तुलना में ₹ 150 करोड़ की वृद्धि हुई जो कि दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड में किए गए निवेश के कारण थी। 2019-20 में निवेश पर प्रतिफल 0.08 *प्रतिशत* था जबकि सरकार ने 2019-20 के दौरान अपने ऋण पर 8.14 *प्रतिशत* की औसत दर से ब्याज का भुगतान किया था। विस्तृत विवरण **तालिका 2.21** में दिया गया है।

5 विधानसभा क्षेत्र में अवसंरचना का सुदृढ़ीकरण तथा विस्तार एवं 'मुख्यमंत्री सड़क पुनरूथान योजना'

6 पिछले वर्ष में बुक किए गए मुख्य शीर्ष 2217 के बदले में

7 अनाधिकृत कालोनियों का विकास

तालिका 2.21: निवेश पर प्रतिफल

(₹ करोड़ में)

निवेश/प्रतिफल/उधारियों की लागत	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
वर्ष की समाप्ति पर निवेश (₹ करोड़ में)	18,492	18,933	19,173	19,261	19,411
प्रतिफल (₹ करोड़ में)	12.32	11.28	15.91	14.31	15.84
प्रतिफल (*प्रतिशत* में)	0.07	0.06	0.08	0.07	0.08
सरकारी उधारियों पर ब्याज की औसत दर (*प्रतिशत*)	8.54	8.65	8.58	8.64	8.14
ब्याज दर तथा प्रतिफल के बीच अंतर (*प्रतिशत*)	8.47	8.59	8.50	8.57	8.06
निवेश पर सरकारी उधारियों के ब्याज एवं प्रतिफल के बीच अंतर (₹ करोड़ में)#	**1,566**	**1,626**	**1,630**	**1,651**	**1,565**

स्रोत: संबंधित वर्षों के वित्त लेखे
#वर्ष के अंत तक निवेश

सरकारी निवेश 2015-16 से 2019-20 तक पाँच वर्षों की अवधि में 4.97 *प्रतिशत* तक बढ़ गया। रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार ने 2015-16 से 2019-20 के दौरान अपने ऋणों पर 8.14 *प्रतिशत* से 8.65 *प्रतिशत* की दर पर ब्याज का भुगतान किया जबकि उसी अवधि के दौरान निवेशों पर प्रतिफल की *प्रतिशतता* 0.06 तथा 0.08 (ऐतिहासिक लागत पर) के बीच की श्रेणी की थी।

तालिका 2.22: पाँच वर्षों के दौरान वितरित और वसूले गए ऋणों की मात्रा

(₹ करोड़ में)

वितरित एवं वसूले गए ऋणों की मात्रा	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
बकाया ऋणों का आरंभिक शेष	57,190	59,915[8]	62,255	63,812	64,570
वर्ष के दौरान अग्रिम राशि	2,684	2,553	2,248	2,402	3,266
वर्ष के दौरान प्राप्त राशि	83	213	691	1,644	823
बकाये ऋण का अंतिम शेष	59,791	62,255	63,812	64,570	67,014
कुल योग	2,601	2,340	1,557	758	2,443
ब्याज प्राप्ति	83	81	396	113	404
बकाया ऋणों एवं अग्रिमों की प्रतिशतता के रूप में ब्याज प्राप्तियाँ	0.14	0.13	0.62	0.18	0.60
सरकार की बकाया उधारियों में भुगतान की गई ब्याज दर (*प्रतिशत*)	8.44	8.64	8.55	8.74	7.92
भुगतान की गई ब्याज दर और प्राप्त ब्याज दर के बीच अंतर *(प्रतिशत)*	8.30	8.51	7.93	8.56	7.31

2.4.4 सार्वजनिक व्यय की पर्याप्तता

तालिका 2.23 और **चार्ट 2.18** वर्ष 2015-16 और 2019-20 के दौरान विकास व्यय, सामाजिक क्षेत्र व्यय, पूँजीगत व्यय, शिक्षा और स्वास्थ्य पर व्यय के संबंध में रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार की वित्तीय प्राथमिकता को दर्शाता है।

तालिका 2.23: रा.रा.क्षे.दि.स. की 2015-16 एवं 2019-20 में राजकोषीय प्राथमिकता

(*प्रतिशत में*)

राज्य द्वारा राजकोषीय प्राथमिकता	*कु.व्य./स.रा.घ.उ.*	*पू.व्य./कु.व्य.*	*शिक्षा/कु.व्य.*	*स्वास्थ्य/कु.व्य.*
रा.रा.क्षे. दिल्ली का (अनुपात) 2015-16	6.13	12.88	22.98	10.77
रा.रा.क्षे. दिल्ली का (अनुपात) 2019-20	5.65	10.51	24.45	11.87
कु.व्य.: कुल व्यय, पू.व्य: पूँजीगत व्यय				

[8] ₹ 124 करोड़ का अंतर गलत वर्गीकरण के कारण पूर्व अवधि के समायोजन की वजह से है।

चार्ट 2.18: 2015-16 और 2019-20 के दौरान सार्वजनिक व्यय में प्राथमिकता प्रतिशत में

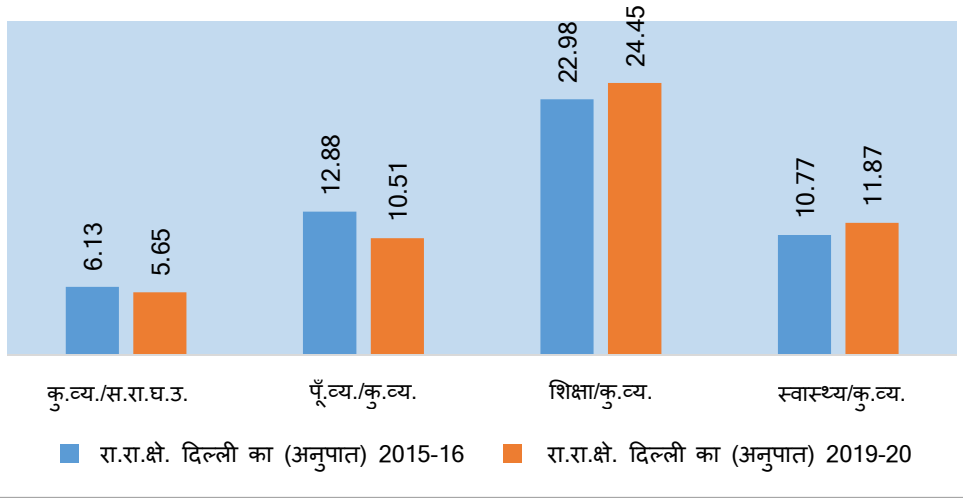

सकल राज्य घरेलू उत्पाद के अनुपात के रूप में कुल व्यय 2015-16 में 6.13 *प्रतिशत* से घटकर 2019-20 में 5.65 *प्रतिशत* हो गया। कुल व्यय में स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर व्यय के हिस्से में भी इस, अवधि के दौरान बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। हालांकि इस अवधि में पूँजीगत व्यय का अंश 12.88 *प्रतिशत* से घटकर 10.51 *प्रतिशत* रह गया।

2.5 ऋण प्रबंधन

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार को खुले बाजार से ऋण जुटाने का अधिकार नहीं है। इसके लिए आवश्यक सभी ऋण भारत की संचित निधि से दिये गये हैं। भारत सरकार से प्राप्त ऋण तथा अग्रिम में रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार की ऋण प्राप्तियाँ शामिल है।

2.5.1 ऋण रूपरेखा: घटक

तालिका 2.24 विगत पाँच वर्षों के लिए रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के ऋणों की रूपरेखा का एक समय श्रृंखला का विश्लेषण करती है।

तालिका 2.24: भारत सरकार से ऋणों की रूपरेखा एवं रा.रा.क्षे.दि.स. के ऋण

(₹ करोड़ में)

वर्ष	आरंभिक शेष	ऋण प्राप्तियाँ	वर्ष के दौरान पुनर्भुगतान	अंतिम शेष	वृद्धि/कमी	पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि की *प्रतिशतता*
2015-16	32,497.91	2,241.13	1,435.17	33,303.87	805.96	2.48
2016-17	33,303.87	1,695.53	1,654.62	33,344.78	40.91	0.12
2017-18	33,344.78	1,906.34	1,682.43	33,568.69	223.91	0.67
2018-19	33,568.69	2,880.00	3,636.35	32,812.34	(-) 756.35	(-) 2.25
2019-20	32,812.34	4,765.60	2,811.10	34,766.84	1,954.50	5.96

सरकार का ऋण 2015-16 के आरंभ में ₹ 32,497.91 करोड़ से ₹ 2,268.93 करोड़ (6.98 *प्रतिशत*) बढ़कर 2019-20 के अंत में ₹ 34,766.84 करोड़ हो गया।

2.6 ऋण धारणीयता

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के ऋण के आकार के अतिरिक्त, विभिन्न संकेतकों का विश्लेषण करना महत्वपूर्ण है जो ऋण स्थिरता को निर्धारित करते हैं। ऋण धारणीयता भविष्य में अपने ऋण को चुकाने के लिए राज्य की क्षमता को दर्शाता हैं। यह खंड विकास दर, बकाया ऋण, ब्याज भुगतान एवं राजस्व प्राप्तियों के अनुपात, ऋण भुगतान एवं ऋण प्राप्तियों और दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को उपलब्ध शुद्ध ऋण के संदर्भ में रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के ऋण की स्थिरता का आकलन करता है। **तालिका 2.25** 2015-16 से 2019-20 तक पाँच वर्ष की अवधि का इन संकेतकों के अनुसार रा.रा.क्षे. दिल्ली की ऋण स्थिरता का विश्लेषण करती है।

तालिका 2.25: ऋण धारणीयता: संकेतक एवं प्रवृत्तियां

ऋण धारणीयता संकेतक	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
कुल बकाया ऋण* (₹ करोड़ में)	33,304	33,345	33,569	32,812	34,767
कुल बकाया ऋण की वृद्धि दर (*प्रतिशत*)	2.48	0.12	0.67	-2.25	5.96
स.रा.घ.उ. (₹ करोड़ में)	5,50,804	6,16,085	6,86,824	7,74,870	8,56,112
स.रा.घ.उ. की वृद्धि दर (*प्रतिशत*)	11.32	11.85	11.48	12.82	10.48
कुल ऋण/ स.रा.घ.उ. (*प्रतिशत*)	6.05	5.41	4.89	4.23	4.06
ब्याज भुगतान (₹ करोड़ में)	2,810	2,883	2,871	2,867	2,752
बकाया सार्वजनिक ऋण की औसत ब्याज दर (*प्रतिशत*)	8.54	8.65	8.58	8.64	8.14
राजस्व प्राप्तियाँ (₹ करोड़ में)	34,999	34,346	38,667	43,113	47,136
राजस्व प्राप्तियों के ब्याज भुगतान का *प्रतिशत*	8.03	8.39	7.42	6.65	5.84
ऋण पुनर्भुगतान (₹ करोड़ में)	1,435	1,655	1,682	3,636	2,811
ऋण प्राप्तियाँ (₹ करोड़ में)	2,241	1,696	1,906	2,880	4,765
ऋण प्राप्तियों के ऋण पुनर्भुगतान का *प्रतिशत*	64.04	97.59	88.25	126.25	58.99
रा.रा.क्षे. दिल्ली#का उपलब्ध निवल ऋण	(-)2,005	(-)2,842	(-)2,647	(-)3,623	(-)798
ऋण प्राप्तियों का *प्रतिशत* के रूप में उपलब्ध निवल ऋण	-	-	-	-	-

स्रोत: संबंधित वर्ष के वित्त लेखे

*बकाया सार्वजनिक ऋण शीर्ष '6003- आंतरिक ऋण' एवं '6004- केन्द्र सरकार से ऋण एवं अग्रिम' के अंतर्गत बकाया शेष का योग है।

#रा.रा.क्षे.दि.स. के लिए उपलब्ध निवल ऋण की गणना सार्वजनिक ऋण पुनर्भुगतान एवं सार्वजनिक ऋण पर ब्याज भुगतान के उपर सार्वजनिक ऋण प्राप्तियों की अधिकता के रूप में की जाती है।

चार्ट 2.19: ऋण धारणीयता: संकेतक एवं प्रवृत्तियां

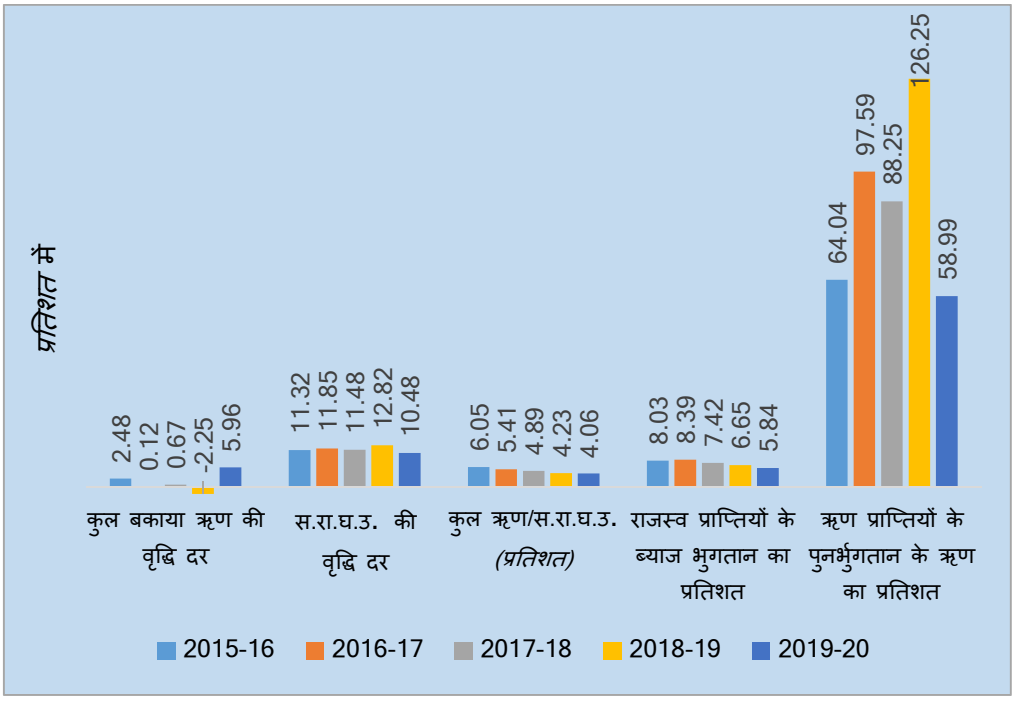

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार का सार्वजनिक ऋण 2015-16 में ₹ 33,304 करोड़ से बढ़कर 2019-20 में ₹ 34,767 करोड़ हो गया, जिसमें 4.39 *प्रतिशत* की वृद्धि दर्ज की गई। गत वर्ष की तुलना में 2019-20 में सार्वजनिक ऋण में 5.96 *प्रतिशत* की वृद्धि हुई। सार्वजनिक ऋण का पुनर्भुगतान (₹ 2,811 करोड़) सार्वजनिक ऋण प्राप्तियों (₹ 4,765 करोड़) से कम था।

2.7 निष्कर्ष

कुछ सकारात्मक संकेतकों और उन पर कड़ी निगरानी रखने की आवश्यकता का एक आशुचित्र **तालिका 2.26** में दिया गया है।

तालिका 2.26: मुख्य मापदंड

सकारात्मक संकेतक	कड़ी निगरानी रखने वाले मापदंड
रा.रा.क्षे. दिल्ली की राजस्व प्राप्तियाँ 9.33 *प्रतिशत* तक बढ़ गई।	राजस्व व्यय 7.56 *प्रतिशत* तक बढ़ गया।
गैर-कर प्राप्तियाँ 70.34 *प्रतिशत* तक बढ़ गई।	लोक ऋण प्राप्तियाँ 65.45 *प्रतिशत* तक बढ़ गई।
भारत सरकार से सहायता अनुदान 62.10 *प्रतिशत* तक बढ़ गया।	ऋण तथा अग्रिमों की वसूलियां 49.94 *प्रतिशत* तक घट गई।
पूँजीगत व्यय 67.54 *प्रतिशत* तक बढ़ गया।	
सहायता अनुदान पर व्यय 64.02 *प्रतिशत* तक बढ़ गया।	